विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com   कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 35 अंक 313   कोरबा, सोमवार , दिनांक 12 अगस्त 2024 डाक 13 अगस्त 2024   पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा

आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के जूनियर डॉक्टर्स ने कोलकाता में एक महिला पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए तख्तियां पकड़ीं

देश-विदेश

चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ी मुश्किलें, जहां हुआ था हमला, कमला हैरिस वहां भी आगे

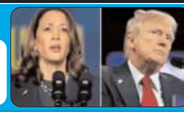

फीचर पेज

प्रेग्नेंसी के दौरान जरूर करें ये एक्सरसाइज डिलीवरी में नहीं होगी कोई परेशानी

सोमवारी पर जहानाबाद के वाणावार सिद्धेश्वर धाम में भगदड़, अब तक सात लोगों की मौत, कई घायल, प्रत्यक्षदर्शी ने बताई सच्चाई, पुलिस पर भी लगाए आरोप

जहानाबाद, 12 अगस्त [एजेंसी]।

बिहार के जहानाबाद जिले से सावन की चौथी सोमवारी पर बड़े और दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। श्रद्धालुओं के बीच मची भगदड़ में सात लोगों की मौत हो गई है। घटना वाणावार सिद्धेश्वर धाम के भक्तों की भीड़ के बीच हुई। बताया जा रहा है कि चौथी सोमवारी को जलाभिषेक करने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। वाणावार पहाड़ पर पतालगंगा से जो सीढी जाती है उसपर दर्जनों श्रद्धालु चढ़ और उतर रहे थे। मंदिर के पास सीढ़ी पर कांवरियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते धक्का-मुक्की की स्थिति उत्पन्न हो गई। मंदिर के पास मौजूद पुलिसकर्मियों ने हालात काबू पाने की कोशिश की लेकिन अचानक भगदड़ मच गई। भगदड़ होते ही इधर-उधर लोग भागने लगे। अंधेरे में लोग एक-दूसरे को कुचलते हुए इधर-उधर भागने लगे। इधर, पुलिस जब तक हालात को नियंत्रित करती तब तक पांच महिला समेत सात श्रद्धालुओं ने दम तोड़ दिया। सोमवार को सूर्योदय से पहले ही यह हादसा हुआ। हादसे में 10 से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है। मंदिर क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों और स्वयंसेवकों की मदद

से राहत और बचाव का कार्य चल रहा है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। जहानाबाद के थानेदार दिवाकर कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि हादसे के बाद डीएम और एसपी ने घटनास्थल पर पहुंचे हैं। वह हालात का जायजा ले रहे हैं। अब तक सात लोगों की मौत की सूचना मिली है। हमलोगों मृत और घायल लोगों के परिजनों से मिल रहे हैं और पूछताछ कर रहे हैं। मरने वालों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसके बाद हम शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजेंगे। घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मरने वालों में गया के मोर टेकरी निवासी पूनम देवी, जहानाबाद के मखदुमपुर थाना क्षेत्र के लडौआ गांव की निशा कुमारी, जल बीघा के नाडोल की सुशीला देवी, नगर थाना क्षेत्र के एरकी गांव की नीता देवी, प्यारे पासवान और राजू कुमार शामिल हैं। वहीं एक अन्य महिला की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। वहीं मखदुमपुर निवासी कृष्णा कुमार ने दावा किया है कि सात से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जहानाबाद सदर अस्पताल में कोई विधि व्यवस्था नहीं है। इतना ही नहीं जहानाबाद पहाड़ पर भी प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। केवल चार-पांच पुलिसकर्मी किनारे-किनारे खड़े थे। कोई देखरेख करने वाले नहीं होने के कारण दर्शन करने वाले श्रद्धालु मनमानी कर रहे थे। धक्का-मुक्की करते हुए आगे बढ़ रहे थे। दो तरफ से रास्ता खुलने के कारण ऊपर काफी भीड़ हो जाती है। इसी कारण भगदड़ मची। मेरे परिवार से एक 20 साल की लड़की (निशा कुमारी) की मौत हो गई। एक लाश गाड़ी में पड़ी है। वह 35 साल के युवक की लाश है। अगर विधि व्यवस्था दुरुस्त रहती तो 35 साल का युवक नहीं मरता।

एक मासूम बच्चे की मां मर गई है। वह रो-बिलख रहा है। उसे कोई देखने वाला है। एक-एक एंबुलेंस में चार-चार लोगों की लाशें लोड कर भेजी गई है। प्रत्यक्षदर्शी मनोज ने बताया कि अगर प्रशासन ने अच्छा काम किया होता, तो फूल विक्रेता झगड़ा नहीं करता। हमलोगों के सामने ही विवाद हुआ था। इतने सारे श्रद्धालु वहां फंसे हुए थे, किसी ने मुझे वहां से निकाला। अगर मैं एक या दो मिनट और वहां फंसा रहता, तो मेरी भी मौत हो जाती। पुलिस मौके पर कहीं नजर नहीं आ रही थी। मामले में जदयू के जिलाध्यक्ष ने बताया कि बराबर में हादसा हुआ है। सात लोगों की मौत हो गई। घायलों का इलाज चल रहा है। जहानाबाद के बाराबर स्थित सिद्धेश्वर धाम में सोमवारी को लेकर भीड़ काफी बढ़ गई थी। इसी बीच अचानक भगदड़ मच गई।

अरविंद केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, जमानत के लिए दायर की याचिका

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में जमानत के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आबकारी नीति मामले में जेल से रिहाई की मांग की है। उन्होंने याचिका में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अपनी गिरफ्तारी और रिमांड के आदेश को चुनौती दी है।इसके अलावा, उन्होंने मामले में नियमित जमानत याचिका भी दायर की है। समाचार एजेंसी एएनआई ने आम आदमी पार्टी की कानूनी टीम के हवाले से यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी और उन्हें जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने को कहा था। ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद 21 मार्च से केजरीवाल हिरासत में हैं। इस दौरान मई में शीर्ष अदालत ने लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली सीएम को 21 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। वहीं, 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी,

बर्खास्त ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को राहत, दिल्ली हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर 21 अगस्त तक लगाई रोक

नई दिल्ली। धोखाधड़ी और गलत तरीके से ओबीसी और दिव्यांगता कोटा लाभ हासिल करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व आईएएस प्रशिक्षु पूजा खेडकर को राहत दी है। अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि पूजा को 21 अगस्त तक गिरफ्तार न किया जाए। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने पूजा को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था।हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग ने 31 जुलाई को पूजा की उम्मीदवारी को रद्द करते हुए भविष्य में उनके परीक्षाओं में शामिल होने पर रोक लगा दी है।

विश्व हाथी दिवस सामूहिक प्रयासों की सराहना करने का एक अवसर : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विश्व हाथी दिवस' पर देशवासियों को हाथियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विश्व हाथी दिवस हाथियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की व्यापक श्रृंखला की सराहना करने का एक अवसर है। प्रधानमंत्री ने साथ ही देश में बढ़ रही हाथियों की संख्या को चिन्हित करते हुए हाथियों के देश में रहने के लिए सुरक्षित माहौल पर अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं कि हाथियों को एक अनुकूल आवास मिले जहां वे पनप सकें।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

बांग्लादेशी प्रदर्शनकारियों को आजादी की कद्र नहीं!

पाकिस्तान के सरेंडर से जुड़ी मूर्तियां तोड़ी, थरूर बोले- माफी के लायक नहीं

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

बांग्लादेश में सियासी उथल-पुथल और तख्तापटल के बाद भी देश में हिंसक प्रदर्शन शांत नहीं हुआ है। देश के अलग-अलग इलाकों से हिंसा की तरह-तरह की तस्वीरें सामने आ रही हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय स्मारकों को निशाना बना रहे हैं। मुजीबनगर में स्थित 1971 शहीद मेमोरियल स्थल पर मौजूद मूर्तियों को तोड़ दिया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस घटना पर चिंता जताई है और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से कानून और व्यवस्था बनाने की गुजारिश की है। शशि थरूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, साल 1971 में मुजीबनगर में शहीद स्मारक परिसर में स्थित मूर्तियों को भारत विरोधी उपद्रवियों द्वारा नष्ट किए जाने की ऐसी तस्वीरें देखना दुखद है। यह घटना कई जगहों पर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, मंदिरों और हिंदू घरों पर हुए अपमानजनक हमलों के बाद हुई है, जबकि ऐसी खबरें भी आई हैं कि मुस्लिम नागरिक अन्य अल्पसंख्यक घरों और पूजा स्थलों की रक्षा कर रहे हैं।

राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें! ईडी करेगी पूछताछ

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही पूछताछ के लिए तलब कर सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। कहा जा रहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के चलते राहुल से सवाल पूछ सकती है। हालांकि, जून 2022 में भी एजेंसी कांग्रेस सांसद से पूछताछ कर चुकी है। हिंदुस्तान टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि अनियमितताओं की जांच को लेकर ईडी निष्कर्ष तक पहुंचना चाहती है और ऐसे में कांग्रेस सांसद से फिर पूछताछ की जा सकती है। खास बात है कि ईडी पहले ही 751 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, एक ईडी अधिकारी ने बताया कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड जांच को पूरी करने की तैयारी कर रहे हैं।

पेवर ब्लॉक
सीमेंट से निर्मित (राखड़ मुक्त) उच्च क्वालिटी के पेवर ब्लॉक
जिग्जैक आई कॉस्मिक बर्फी एक्सकॉन
एवं अन्य प्रकार के डिजाइन में
उचित मुल्य पर उपलब्ध
चेकर टाईल्स
पेट्रोल पंप के लिए रबर मोल्ड जिग्जैक भी उपलब्ध है।
संपर्क करें - 94255-40449
ऐरन इंटरप्राईजेस
कोरबा (छ.ग.)

दो सगे भाइयों समेत 3 की मौत, पोल से टकराई कार

नोएडा, 12 अगस्त [एजेंसी]।

थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के अंतर्गत मयूर चौराहे के सामने एक्सप्रेस-वे पर टाटा टियागो पोल से टकरा गई। जिसमें तीन लोग सवार थे, पुलिस ने तीनों को अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों द्वारा तीनों को मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों में दो की पहचान ईशान और आर्यन पुत्र सुनील कश्यप निवासी नोएडा एक्सटेंशन पाम ओलंपिया के रूप में पहचान हुई है। शवों का पंचायतनामा भर अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर रविवार को ट्रैफिक पुलिस की ओर से अभियान चलाकर सड़क किनारे अनावश्यक रूप से खड़े 25 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सभी

वाहनों को नो पार्किंग के उल्लंघन में चालान किया गया है। जिन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है उनमें ट्रक, डीसीपी, पिकअप शामिल है।

डीसीपी ट्रैफिक यमुना प्रसाद का कहना है कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क किनारे वाहन खड़े करने पिछले दो दिन में 25 चालकों के खिलाफ कार्रवाई कई है। यातायात पुलिस की ओर से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। ऑटो, टेंपो, ई-रिक्शा चालकों को निर्देशित किया गया है कि वह मेट्रो स्टेशन और प्रमुख चौराहों पर एक व्यवस्थित तरीके से वाहन को एक लाइन में पार्क करने के नियम का पालन करेंगे। उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

तिरुवल्लुर में चेन्नई-तिरुपति राजमार्ग पर लॉरी-कार की टक्कर, पांच छात्रों की मौत, दो घायल

चेन्नई 12 अगस्त। तमिलनाडु के तिरुवल्लुर में चेन्नई-तिरुपति राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लॉरी और कार की टक्कर में पांच छात्रों की मौत हो गई। इस हादसे में दो अन्य छात्र घायल भी हुए हैं। ये सभी छात्र एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में एम्स, आरएमएल सहित कई अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल पर, इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी जारी

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की हत्या की घटना के विरोध में फेडरेशन आफ रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) इंडिया ने सोमवार से देश भर के सरकारी अस्पतालों में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। फोर्डा ने बाकायदा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखकर अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा को छोड़कर नियमित सेवाएं बंद करने की घोषणा की है और देश भर के सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डाक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) से

इस हड़ताल में शामिल होने की अपील की है। इसके मद्देनजर दिल्ली के ज्यादातर सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। एम्स में भी रेजिडेंट डॉक्टरों ने भी हड़ताल की घोषणा की। इससे दिल्ली में चिकित्सा व्यवस्था चरमरा सकती है। सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएमएमसी) के सुचेता कृपलानी, कलावती सरन, लोकनायक, जीबी पंत, जीटीबी, डीडीयू, अंबेडकर अस्पताल व इहबास (मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान) इन दस बड़े अस्पतालों के आरडीए ने अस्पताल प्रशासन को हड़ताल की सूचना दे दी है। इस वजह से अस्पतालों में ओपीडी, नियमित सर्जरी, जांच व वार्ड में भर्ती मरीजों की देखभाल भी प्रभावित रहेगी। लेकिन अस्पतालों की इमरजेंसी वार्ड में रेजिडेंट डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद रहेंगे। सफदरजंग अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन करीब दस हजार, आरएमएल अस्पताल में करीब आठ हजार, लोकनायक में करीब छह हजार, जीबी पंत अस्पताल में करीब ढाई हजार व एलएचएमसी के दोनों अस्पतालों में करीब साढ़े चार हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इन अस्पतालों में दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। वैसे तो अस्पतालों की ओपीडी में फैकल्टी व कंसल्टेंट स्तर के डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद रहेंगे। लेकिन रेजिडेंट डॉक्टर्स के हड़ताल पर रहने से नियमित सेवाएं प्रभावित रहेंगी। ओपीडी में नए मरीजों का इलाज मुश्किल होगा। बताया जा रहा है कि अस्पतालों में पहले से निर्धारित ज्यादा सर्जरी टाल दी गई है।

पट्रोल पंप संचालक से लाखों की लूट मामले में तीन आरोपी पकड़ाए

कोरबा। थाना करतला की टीम एवं सायबर सेल कोरबा की टीम को सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच करने के निर्देश प्राप्त हुए थे। पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल और उसके आसपास का सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला गया एवं घटनास्थल के आसपास के गांव में टीम के द्वारा आरोपियों की पता तलाश कर रही थी कि इस बीच टीम को सूचना मिली की भरतलाल श्रीवास पुलिस टीम को देखकर इधर-उधर छिप रहा था। जिस पर भरतलाल श्रीवास के संबंध में पतासाजी करने पर भरतलाल श्रीवास वर्ष 2021 में अन्य दो आरोपी के साथ पलगड़ा घाटी चौकी जोबी, थाना खरसियां जिला रायगढ़ छ0ग0 में सोने-चांदी का जेवर की लूटपाट किया गया था। जिसके आधार पर भरतलाल श्रीवास को तलब कर पूछताछ करने पर बताया कि आरोपी विकास तिर्की से मुलाकात रायगढ़ जेल में हुई थी। आरोपी विकास तिर्की अपराहरण के केश में अंदर था जो दोनों का जेल में दोस्ती होने पर जेल से रिहा होने के पश्चात आरोपी भरतलाल श्रीवास के द्वारा अपने दोस्त विकास तिर्की को बताया कि रामपुर करतला पेट्रोल पंप के मालिक पेट्रोल पंम की बिक्री राशी को सप्ताह में किसी भी दिन आकर पैसा कलेक्शन कर अपने मोटर सायकल से ले जाता है जिसे आसानी से लूटपाट कर सकते हैं कहकर दोनों आपस में सहमत होकर योजना बनाये तथा आरोपी विकास तिर्की घटना दिनांक के पूर्व आरोपी भरतलाल श्रीवास से मिला तब दोनों घटना दिनांक को पेट्रोल पंप में जाकर 50 रूपये का पेट्रोल डलवाने के दौरान भरतलाल श्रीवास आरोपी विकास तिर्की को पेट्रोल पंप के मालिक का पहचान कराया एवं आरोपी भरतलाल श्रीवास एवं विकास तिर्की घटना स्थल अंधरीकोना मोड़ में आया। आरोपी भरतलाल श्रीवास विकास तिर्की को अंधरीकोना मोड में छोडकर प्रार्थी संतोष गोयल की जाने की सूचना बताने हेतु पेट्रोल पंप तरफ चला गया जो शाम 05.30 बजे 05.40 के मध्य प्रार्थी

अपनी मोटर सायकल से अंधरीकोना मोड़ तरफ पहुंचने पर आरोपी भरतलाल श्रीवास ने आरोपी विकास तिर्की को बताया कि सेठ आ रहा तैयार रहना कहकर आरोपी भरतलाल श्रीवास घटना स्थल से कुछ दूरी पर झाड़ियों में छिपा था तथा आरोपी विकास तिर्की डण्डा लेकर रोड में ही खडा था जो प्रार्थी के पहुंचने पर डण्डे से उसके सिर में मारा जिससे प्रार्थी का बैलेंस बिगड़ने पर नीचे गिरने पर तीन-चार डण्डे और मारा एवं रूपये से भरा थैला को लेकर जंगल की ओर भाग गया। आरोपी विकास तिर्की रास्ता भटकने के बाद रात्रि में आरोपी भरतलाल श्रीवास अपनी महिला साथी रमिला राठिया को अपने साथ लेकर घटना के संबंध में बताकर आरोपी विकास तिर्की के पास आकर उसको अपने मोटर सायकल में विकास तिर्की एवं आरोपीया रमिला राठिया को बैठाकर अपने साथ ले गया तथा आरोपीया रमिला राठिया को उसके घर छोडकर आरोपी विकास तिर्की को अपने घर ले गया। तथा घर पहुंचकर लूटे गये 4,80,000 रूपये में 2,50,000 रूपये आरोपी विकास तिर्की को दिया स्वयं 1,80,000 रूपये रखा एवं अपनी प्रेमिका रमिला राठिया को 50,000 रूपये दिया है। आरोपी भरतलाल श्रीवास से नगदी रकम 1,50,000 रूपये घटना में प्रयुक्त नग लोहे की टांगी, हीरो स्प्लेण्डर प्लस मोटरसाइकिल एवं आरोपीया रमिला राठिया नगदी रकम 50,000 रूपये, आरोपी विकास तिर्की से 1,06,000 रूपये, आरोपी विकास तिर्की द्वारा अपनी बहन पुनम तिर्की के बैंक खाता, बैंक ऑफ बड़ौदा में जमा की गई 50,000 रूपये की राशि फ्रीज, 03 नग पलंग, 03 नग गद्दा, 06 नग तकिया, 01 नग बीपीएल कंपनी का फ्रीज, 01 नग डबल डोर आलमारी, 01 नग बजाज कंपनी का सिलिंग पंखा, 20 नग इलेक्ट्रिक पाईप को जप्त किया गया है आरोपीगणों के द्वारा साक्ष्य छिपाने एवं आपराधिक षड़यंत्र करना पाये जाने पर प्रकरण में धारा 61(2) (ए), 238 (ए) बीएनएस पृथक से जोड़ी गई है। आरोपीगणों के द्वारा धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

सर्व आदिवासी समाज के मोहिन्द्र बनें प्रदेश उपाध्यक्ष

कोरबा। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रांताध्यक्ष शिशुपाल शोरी तथा प्रांतीयकार्यकारिणी के सर्वसम्मति से बैठकनिर्णय अनुसार पदाधिकारियों की नियुक्ति का अनुमोदन किया गया,जिसमें रामपुर विधानसभा के पूर्वविधायक श्याम लाल कंवर के पुत्रमोहिंदर सिंह कंवर को छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज का प्रदेश उपाध्यक्ष, तथा जनपद पंचायत कोरबा के वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष नंद कुमार कंवर (विक्की) को छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज की कोरबा जिला के जिलाध्यक्ष बनाया गया

लकड़ी बिनने जंगल गए ग्रामीणों पर भालुओं ने किया हमला

अस्पताल दाखिल ,एक की स्थिति गंभीर

कोरबा। करतला के जंगल में जलाऊ लकड़ी बटोरने गए तीन ग्रामीणों पर भालूओ ने हमला कर दिया। एक ग्रामीण बुरी तरह से घायल है दो की मामूली जख्मी हो गुए है जिन्हें 108 और डायल 112 वाहन की मदद से अस्पताल पहुचाया है जहां उनका उपचार जारी है। घायलों को इलाज के लिए सिम्स में रेफर किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार घटना करतला जंगल की है। रविवार को नैहर यादव (55) निवासी करतला, चैततराम यादव (52) व बीपत श्रीवास (37) ने करतला जंगल में जलाऊ लकड़ी लेने गए थे, उनका सामना दो भालूओ से हो गया। और उनपर हमला कर घायल कर दिया।नैहर यादव को भालुओ ने सिर हाथ और पैर को नोच डाला है।घटना की सूचना मिलते ही संजीवनी 108 और डायल 112 की गाड़ी मौके पर पहुची और संजीवनी 108 चालक प्रेम शंकर ईएमटी राजकिशोर ,112 चालक अजय

श्रीवास

और आरक्षक राजेंद्र गवेल ने बड़ी सूझबूझ से दिखाई,क्योकि एम्बुलेंस जंगल अंदर नही जा सकता था। वाहन जंगल में नहीं जा सकता था दो किलोमीटर चारपाई से ढोकर वाहन तक लाया।

लंबित रोजगार प्रकरणों के निराकरण की मांगो पर कल सीएमडी कार्यालय बिलासपुर का होगा घेराव

कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ द्वारा एसईसीएल के कुसमुंडा,गेवरा,दीपका,कोरबा के खदानों से प्रभावित भू विस्थापित किसानों की लंबित रोजगार प्रकरणों का तत्काल निराकरण की मांग को लेकर सीएमडी कार्यालय बिलासपुर का 13 अगस्त को घेराव किया जाएगा। किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भू विस्थापित रोजगार के लंबित प्रकरणों का निराकरण की मांग करते हुए थक गए हैं अब अपने अधिकार को छिन कर लेंगे। विकास के नाम पर अपनी गांव और जमीन से बेदखल कर दीये गए विस्थापित परिवारों की जीवन स्तर सुधरने के बजाय और भी बदतर हो गई है। 40-50 वर्ष पहले कोयला उत्खनन करने के लिए किसानों की हजारों एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया था।कोयला खदानों के अस्तित्व में आ जाने के बाद विस्थापित किसानों और उनके परिवारों की सुध लेने की किसी सरकार और खुद एसईसीएल के पास समय ही नहीं है। विकास की जो नींव रखी गई है उसमें प्रभावित परिवारों की अनदेखी की गई है। खानापूर्ति के नाम पर कुछ लोगों को रोजगार और बसावट दिया गया जमीन किसानों का स्थाई रोजगार का जरिया होता है। सरकार ने जमीन लेकर किसानों की जिंदगी के एक हिस्सा को छीन लिया है। इसलिए जमीन के बदले छोटे-बड़े सभी खातेदार को नौकरी देना होगा। भू विस्थापित किसानों के पास अब संघर्ष के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। किसान सभा के अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर, दीपक साहू, जय कौशिक ने कहा कि पुराने लंबित रोजगार, को लेकर एसईसीएल गंभीर नहीं है। किसान सभा भू विस्थापितों की समस्याओं को लेकर उग्र आंदोलन की तैयारी कर रही है।भूविस्थापित रोजगार एकता संघ के नेता दामोदर श्याम, रेशम यादव,रघु यादव, सुमेन्द्र सिंह कंवर ठकराल ने कहा कि भू

विस्थापितों को बिना किसी शर्त के जमीन के बदले रोजगार देना होगा और वे अपने इस अधिकार के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। भू विस्थापितों ने एसईसीएल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि बिलासपुर मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय में सालो से रोजगार के फाइलों को रोक के रखा गया है और हर बार झूठा आश्वाशन देकर आंदोलन करने से रोका जाता है इस बार अनिश्चित कालीन हड़ताल की तैयारी है। भू विस्थापितों ने कहा की 13 अगस्त के महाघेराव में सभी क्षेत्रों के प्रभावित गांव के हजारों पीड़ित भू विस्थापित परिवार सहित

जन्माष्टमी पर निकलेगी आकर्षक झांकी

कोरबा। हर साल की तरह इस बार भी श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति रानी गेट पुरानी बस्ती कोरबा द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर बाजे गाजे के साथ आकर्षक झांकियां निकाली । समिति के सदस्य विशाल साहू और उनके समस्त सहयोगियों द्वारा शोभा यात्रा को ऐतिहासिक और आकर्षक बनाने के लिए जबरदस्त तैयारी की जा रही है ।यह शोभायात्रा 26 अगस्त की शाम रानी गेट पुरानी बस्ती से निकलकर ससददेव मंदिर होते हुए पुन: रानी गेट पर आकर समाप्त होगी । इस बीच जगह-जगह दही हांडी फोड़ने का कार्यक्रम रखा जाएगा जिसमें गोविंदाओं की अलग अलग टीमें हिस्सा लेंगी।आयोजन समिति के प्रमुख विशाल साहू ने शहर वासियों से अपील करते हुए कहा कि शोभा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर झांकियों का आनंद ले और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन हो जाएं। वहीं जिन श्रद्धालुओं को इस आयोजन को सम्पन्न कराने के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है वे समिति के किसी भी सदस्य से मिलकर उन्हें अपनी सहयोग राशि देकर रसीद प्राप्त कर सकते हैं

विशेषज्ञ समिति ने एसईसीएल कुसमुंडा खदान का लिया जायजा

कोरबा। शनिवार को सुरक्षा के संदर्भ में गठित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति ने एसईसीएल मुख्यालय में एसईसीएल की यूजी विजन प्लान के साथ खनन परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा बैठक की ।समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कोयला मंत्रालय के निदेशक तकनीकी एवं सुरक्षा पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के सचिव बीके ठाकुर ने की। बैठक में एसईसीएल के निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) फ्रैंकलिन जयकुमार, सुरक्षा समिति के सदस्य तथा एसईसीएल मुख्यालय के विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे ।मुख्यालय में बैठक से पूर्व सुरक्षा पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति ने शुक्रवार को कोरबा जिले में स्थित कुसमुंडा माइंस का निरीक्षण किया था। आठ सदस्यीय समिति ने खानों में सुरक्षा मुद्दों के साथ-साथ मानसून कार्य योजना और खानों की सुरक्षा प्रबंधन योजना पर विस्तार से चर्चा की और कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति विकसित करके और जोखिम विश्लेषण करके सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई दिशा निर्देश दिए। दुर्घटना के मूल कारण विश्लेषण करने के निर्देश भी जारी किए गए ताकि सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए असुरक्षित कार्य, असुरक्षित स्थिति और प्रणालीगत कमियों को सामने लाया जा सके। समिति के सदस्यों ने विभागीय, संविदात्मक कामकाज और कार्यशाला का व्यापक निरीक्षण किया, जहां कुछ नवीनतम तकनीकों को देखा। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक कुसमुंडा राजीव सिंह, महाप्रबंधक (एस एंड आर) जी पी शर्मा, महाप्रबंधक (एस एंड आर), महाप्रबंधक (ओ), सभी विभागाध्यक्ष, उप-क्षेत्र प्रबंधक, खान प्रबंधक और सुरक्षा टीम के लोग उपस्थित थे।

कोयला मंत्रालय ने किया है गठन

सुरक्षा पर एचएलईसी का गठन कोयला मंत्रालय द्वारा किया गया है, जिसके अध्यक्ष टीके नाग (अध्यक्ष), बीरेंद्र कुमार ठाकुर (सचिव), आरके चोपड़ा, जीएल कांता राव, दत्तात्रेय पी सस्ते, अनूप बिस्वास, प्रो. आरएम भट्टाचार्य और सचिन मालपा हैं।

जागृति महिला मंडल ने मनाया सावन उत्सव,लता बनी सावन क्वीन

कोरबा। जागृति महिला मंडल के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से सावन उत्सव मनाया गया , जिसमें सावन क्वीन श्रीमति लता चतुर्वेदी एंव तारिका रजक चुनी गई । जागृति महिला मंडल के सभी सदस्यों द्वारा सावन झूले का भरपूर आंनद लिया साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम एंव विभिन्न प्रकार के खेलो का सभी सदस्यों द्वारा आंनद लिया गया। सावन उत्सव के इस आयोजन में जागृति महिला मंडल के सभी पदाधिकारीयो एंव सदस्यों की उपस्थिति रही सभी सदस्यों ने कार्यकम का भरपूर आंनद लिया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संगीता सिंग डी एस बी सब एरिया मैम, सुमन ढाबरिया मैम, रीना राय मैम ,,बबीता सोनकर मैम, डॉ.मोनिका राव मैम की गरिमामय उपस्थिति में यह कार्यकम समपन्न हुआ । इस अवसर पर जागृति महिला मंडल के श्रीमति गीतांजली तिवारी अध्यक्ष श्रीमति ज्योति दीवान सचिव श्रीमति निशा पांडये उपाध्यक्ष श्रीमति रजनी राठौर सह सचिव श्रीमति प्रिति मंहत कोषाध्यक्ष श्रीमति रीता कंवर श्रीमति साविज्री हंस, सहित सभी सभी मुख्य पदाधिकारीयो के साथ सभी सदस्यों की उपस्थिति रही ।

श्रीवास सावन सखी ग्रुप की महिलाओं ने मनाया सावन उत्सव

कोरबा। श्रीवास समाज महिला प्रकोष्ठ की पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती मंदाकिनी श्रीवास के अध्यक्षता मे समाज की महिलाओं ने सावन उत्सव का कार्यकर्म बडी धूमधाम से मनाया ।सावन उत्सव कार्यक्रम के अवसर पर श्रीवास सावन सखी ग्रुप की महिलाओं द्वारा भगवान शिव की पूजा अर्चना के साथ धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर सावन महोत्सव मनाया गया। सावन महोत्सव में महिलाएं उत्साह के साथ शामिल हुई साथ ही विभिन्न प्रकार के आयोजन के जरिए कला का प्रदर्शन भी किया। विविध कार्यकर्म के साथ सावन झुला का भी आनन्द समिती की महिलाओं ने उठाया। कार्यक्रम में महिलाएं हरे रंग के परिधान में उपस्थित रही। सावन उत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीवास समाज महिला प्रकोष्ठ की पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती मंदाकिनी श्रीवास,श्रीमति सत्यवती श्रीवास ,कमला श्रीवास का सहयोग रहा। इस मौके पर मधु श्रीवास,जीनेश्वरी श्रीवास,काजल श्रीवास,राजकुमारी श्रीवास, मीर्दुला श्रीवास,नेहा श्रीवास,मंदाकिनी श्रीवास,सरस्वती उर्मीला श्रीवास श्रीवास,शकुन्तला श्रीवास समेत अन्य मौजूद हैं।

फुटबॉल प्रीमियर लीग का आगाज 17 से

कोरबा ।कोरबा जिले में फुटबॉल प्रीमियर लीग का आयोजन पहली बार 17 अगस्त से शुरू हो रहा है। इसमें कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। उद्घाटन मैच एसईसीएल कोरबा एरिया के ग्राउंड पर खेला जाएगा। एनटीपीसी, घुड़देवा और कुसमुंडा के मैदान पर प्रीमियर लीग के मुकाबले खेले जाएंगे। विजेता टीम को 21 हजार रुपए और उप विजेता टीम को 11 हजार रुपए इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। आयोजन के लिए समिति ने सभी पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। कोच सहित अन्य पदाधिकारियों के नाम की घोषणा कर दी है। इसमें एसएस पॉवर सिटी कोरबा टीम के हेड कोच परमानंद साहू, सुपर किंग बांकी के हेड कोच रमेश कुमार, सगीर अली, कुसमुंडा हीरोज के हेड कोच बीरेंद्र टोप्पो, कोरबा बॉयज के हेड कोच रोहित प्रधान, ब्लैक पैंथर लाल मैदान के हेड कोच सचिन तिर्की और 9 स्टार घुड़देवा के हेड कोच अमलेश दीप होंगे।

तीन साहित्यकारों की पुस्तिका का किया गया विमोचन

कोरबा ।कोरबा अंचल के घंटाघर स्थित पंडित मुकुटधर पांडेय साहित्य भवन समिति कोरबा द्वारा आयोजित अभिनंदन और पुस्तक विमोचन समारोह में प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन व अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर किया गया।साहित्यकारों ने कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन का अभिनंदन शाल श्रीफल भेंट कर किया। इस अवसर पर तीन साहित्यकारों के तीन पुस्तकों क्रमशः बहतरीन के दुलरवा, मधु मंजरी, पारस पखना का विमोचन किया।

इस अवसर पर साहित्यकारों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा की हम तो स्कूल, कॉलेज में सामान्य तौर पर सिर्फ पुस्तकों को अध्ययन करते हैं, लेकिन उन पुस्तकों लिखने वाले लेखक, साहित्यकारों की इसके पीछे बहुत सारी मेहनत होती है। एकक्र्एक शब्द के मायने के हिसाब से उन्हें माले की तरह गूंधते हुए पुस्तक के माध्यम से हम तक पहुंचाते हैं, ये बहुत बड़ी बात है। कार्यक्रम में साहित्य समिति द्वारा साहित्य भवन में विभिन्न विकास और विस्तार कार्य की मांग कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन से की। इस पर मंत्री श्री देवांगन ने तत्काल विधायक निधि से 20 लाख रूपए की देने की घोषणा की। कार्यक्रम को पूर्व महापौर जोगेश लांबा ने भी संबोधित किया।

जिले में तेजी से बढ़ रही सर्प दंश की घटनाएं

कोरबा । वर्षा ऋतु के दौरान सर्पदंश की घटनाओं में इजाफा हो गया है। आलम तो यह है कि सांप बिस्तर पर भी आसानी से चढ़ जा रहे है। सर्प में करैत प्रजाति का सांप पाली क्षेत्र में सबसे अधिक है। यह सांप इंसानी शरीर की गर्माहट पाने के लिए सीधे बिस्तर पर चढ़ जाता है। सोने के दौरान मनुष्य के करवट लेने पर सांप असुरक्षित महसूस करता है और खुद को बचाने के लिए लोगों को काट लेता है। जब तक सांप के काटने की जानकारी लोगों को होती है, तब तक शरीर में जहर फैल जाता है। यह लोगों के मौत का कारण बन रहा है।कोरबा जिले में इस तरह के मामले में एक सप्ताह के भीतर एक दूधमुंहे बच्चे सहित पांच लोगों की मौत हो चुकी है। इससे स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मचा हुआ है। इसमें से कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें सांप के काटने का एहसास देरी से होने और अस्पताल पहुंचने में विलंब होने पर सही समय पर उपचार नहीं मिल सका, इससे उनकी मौत हो गई। स्नेक कैचर टीम के सदस्य ने बताया कि एक स्टडी के अनुसार सांप के बाहर निकलने के सबसे अधिक मामले बारिश के दिनों में देखे जाते है। बारिश के दिनों में सांप के बिल में पानी भर जाता है और वे सूखे स्थान और शिकार की तालाश में भटकते हुए मकानों की ओर पहुंचते हैं। ऐसे में लोगों को सांप से बचाव के लिए सावधानी बरतने की बहुत जरूरत है। जिले में सबसे अधिक खतरा करैत प्रजाति के सांप से बना हुआ है। करैत सांप गर्माहट पाने के लिए बिस्तर पर चढ़ जाता है। मनुष्य सोने के दौरान जब करवट लेता है तब सांप खुद को असुरक्षित सहसूस करता है और खुद को बचाने के लिए काट कर भाग जाता है। इसके काटने की जानकारी लोगों को देरी से होता है, तब तक जहर मनुष्य के शरीर पर फैल जाता है और समय पर इलाज नहीं मिलने से उसकी मौत तक हो जाती है। स्वास्थ्य विभाग सांप के काटने पर मरीजों को तत्काल अस्पताल पहुंचने जागरूक किया जा रहा है।

सोने के दौरान जमीन पर लगा बिस्तर व पलंग दीवाल से सटाकर नहीं रखें। मकान व कक्ष पर पर्याप्त लाइट की रोशनी रखें, सांप अंधेरे स्थान की तलाश करता रहता है। जिस रास्ते से सांप का आना अधिक होता है, वहां पर फिनाइल या कोई अन्य गंधयुक्त केमिकल का छिडकाव करें, इसके गंध से सांप दूर रहता है।

ग्राम सरखो में बेजा कब्जा करने वालों की आ गई है बाढ़

शासकीय जमीनों पर मनमर्जी से काबिज हो रहे हैं लोग,प्रशासन मौन

सीताराम नायक

जांजगीर चांपा। जिला मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत सरखो में शासकीय जमीन पर बेजा कब्जा करने वालों की बाढ़ आ गई है। इससे जहां मवेशियों के लिए चरागन की समस्या उत्पन्न हो गई है वहीं गांव के बाहर से आए हुए लोग मन माफिक घर बनाने के साथ-साथ बाड़ी आदि भी बनाने लगे हैं जिसके कारण ग्राम सरखो के अंदर लोगों में आक्रोश पनप ने लगा है । वहीं प्रशासन इस अति क्रमण को देखने का नाम नहीं ले रही है।

विशेष कर मड़वा पावर प्लांट से राखड़ डैम के लिए बिछाई गई पाइप लाइन के किनारे किनारे उक्त बेजा कब्जाधारी शासकीय जमीनों पर खुलेआम कब्जा करने लगे हैं जो शासन को ठेंगा दिखाते हुए अनवरत घरों का निर्माण कर रहे हैं इससे स्थानीय निवासी लोगों में आक्रोश बढ़ने लगा है।

फाईल फोटो

सबसे ध्यान देने वाली बात यह है कि सड़क पारा जहां पर शराब दुकान का संचालन हो रहा है वहां कुछ वर्ष पहले शराब भट्टी के बगल में चखना घर का निर्माण अवैध किया गया था जिसकी शिकायत गांव के लोगों ने सार्वजनिक रूप से कलेक्टर एवं एसडीएम से की थी लेकिन यह घर अब तक आबाद है। अब यह एक तरह से दारू पीने और चकना बेचने का अड्डा बन गया है जो भेजा कब्जा में होने के बाद भी लोगों को यहां बैठाकर शराब पिलाया जा रहा है। इसी तरह सड़क किनारे, किनारे और भी अनेक घर बन गए हैं जिसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। रघुनंदन राठौर एवं भागवत राठौर नामक व्यक्ति ने यहां जो भेजा कब्जा किया था उसके देखा देखी अब अनेक लोग यहां सड़क किनारे एवं पाइपलाइन के किनारे घरों का निर्माण करते जा रहे हैं जिसके कारण स्थानीय निवासियों को तकलीफ होना स्वाभाविक है। कुछ बेजाकब्जा धारी ऐसे हैं जो गांव के ही दामाद है जो अन्य गांव से आकर यहां बेजाकब्जा करके मकान बनाते जा रहे हैं इसके अलावा कुछ ऐसे लोग हैं जो दूसरे गांव से यहां आकर बसे हैं किंतु गांव सलाह के बगैर वह मनमाने तरीके से शासकीय जमीनों पर कब्जा कर घर बना लिए हैं जिसके देखा देखी अब बेजाकब्जा करने वालों की एक बस्ती भी बनती जा रही है।

सबसे दुखद बात यह है कि इन बेजाकब्जा धारियों द्वारा गांव के लोगों द्वारा मना करने पर उन्हें धमकी दिया जाता है साथ ही साथ में दादागिरी कर गांव में अराजकता की स्थिति निर्मित करने लगे हैं जिसके कारण ग्राम सरखो के स्थानीय निवासी उनसे उलझना उचित नहीं समझते, नतीजा उनका मनोबल बढ़ने लगा है।

पिछले वर्ष जब ग्राम सरखो के लोगों ने इन बेजा कब्जा करने वाले लोगों की शिकायत जिलाधीश से की थी और इन्हें बेदखल करने के लिए प्रशासन के समक्ष अर्जी लगाई थी। तब तत्कालीन तहसीलदार ने संबंधित लोगों से मिली भगत कर एवं उनसे स्वार्थ सिद्ध करते हुए इन्हे बेदखल करने के बजाय टाल मटोल करते हुए उन्हें छोड़ दिए। और आज पर्यंत तक बेजाकब्जा नहीं हटाया गया है। अब ग्राम पंचायत सरखो के आम नागरिक लोग आक्रोशित होकर कलेक्टर कार्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का घेराव करने की तैयारी कर रहे हैं जो प्रशासन को किसी भी तरह से हटाने के लिए विवश करेंगे ऐसा उनका विचार चल रहा है। लेकिन उचित यही है कि कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने एवं धन जन हानि होने से पहले जिला प्रशासन को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शासकीय जमीन को मुक्त करना चाहिए ताकि ग्राम पंचायत सरखो का अंतर्कलह शांत हो सके।

अलग-अलग मामलों में नकद समेत 8 लाख का माल पार

अलग-अलग मामलों में नकद समेत 8 लाख का माल पार

जांजगीर-चांपा। जिले में 9 दिनों के भीतर चोरों ने चोरी के अलग अलग मामलों में सोने चांदी के जेवरात व नगदी समेत 8 लाख रूपए का माल पार कर दिया। इधर घटना के बाद आरोपियों को पकड़ने में पुलिस नाकाम साबित हो रही है।

शुक्रवार 2 अगस्त को बाराद्वार थाना क्षेत्र के ग्राम गुडेराडीह निवासी लोकराम साहू पिता सोनाऊराम उम्र 48 वर्ष के घर पर धावा बोतले हुए चोरों ने आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात व नगदी समेत करीब 1 लाख 30 हजार रूपए का माल पार कर दिया। इसी तरह अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमरताल में अज्ञात चोरों ने शनिवार 3 अगस्त को अलग अलग एक साथ चोरी की 5 घटनाओ को अंजाम दिया। वही सोने चांदी के जेवरात सामान नगदी सहित करीब 6 लाख 50 हजार रूपए का माल पार कर दिया। चोरो ने गौरव जांगडे, अभिलेख कुर्रे, जलकुमार कुर्रे, उषा बाई, दीपेश जांगडे सहीत अन्य घरो को निशाना बनाया। इस बात की रिर्पोट प्रार्थीयो ने अकलतरा थाने में दर्ज करा दी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो अकलतरा एवं बाराद्वार क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रो में चोरी की घटनाए बढ़ रही है। वहीं पुलिस आरोपियों तक नही पहुंच पा रही है। इसी प्रकार सोमवार 5 अगस्त की रात अज्ञात चोरो ने शहर में संचालित कपडा व्यापारी मदन लाल अग्रवाल के दुकान में धावा बोलकर गल्ला में रखे नगदी करीब 60 हजार रूपए को पार कर दिया। इस चोरी की घटना की रिर्पोट प्रार्थी मदन लाल अग्रवाल ने थाने में दर्ज करा दी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो चोरी की अलग अलग घटनाओं में अज्ञात चोरो ने सोने चांदी के जेवरात नगदी सहित करीब 8 लाख 50 हजार रूपए का माल पार कर दिया। इसके अलावा बाकी के दिनों में भी चोरी की घटनाओं में बढोतरी देखी जा रही है,किसी भी मामले में पाई आरोपियों की नहीं हो गिरफ्तारी।

की जा रही है जांच

चोरी के मामले सामने आने पर पुलिस लगातार आरोपियो को सलाखो के पीछे पहुंचाने का काम कर रही है। अन्य चोरी के मामलो में जल्द आरोपियो को गिरफ्तार किया जाएगा।

राजेन्द्र जायसवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

कुमकी को बुलाया फिर भी बिछड़ों की स्थिति जस की तस

बलौदा। अपने समूह से बिछड़े हाथी को उनसे मिलाने के लिए अचानकमार टाइगर रिजर्व से प्रशिक्षित हाथी (कुमकी) को बुलाया गया है। जंगली हाथी के पास उसे अब तक तीन बार भेजा जा चुका है मगर दो बार उससे मुलाकात नहीं हुई। ऐसे में उस हाथी को दल से मिलाने कुमकी हाथी राजू सफल नहीं हो सका है।

सोमवार को कोरबा जिले के कनकी में मेला लगता है इसलिए रविवार को हाथी को तलाशने का प्रयास नहीं किया गया क्योंकि अगर हाथी खिसोरा के पास स्थित जंगल से निकलकर कोरबा की ओर बढ़ गया तो रास्ते में चलने वाले लोगों को नुकसान हो सकता है। इसलिए हाथी की तलाश ज्यादा नहीं की गई। जिस जंगल में हाथी वर्तमान में है वहां आसपास के कुछ ग्रामीण महुआ शराब भी बनाते हैं।

महुआ का शेष भाग वे जंगल में ही फेंक देते हैं शायद उसकी गंध से ही हाथी वहां रमा है, ऐसी भी आशंका जताई जा रही है। दिन में जंगल में हरियाली के कारण ड्रोन से हाथी नहीं दिख पा रहा है।

बाइक चालक की मौत का कारण बना कुत्ता

जांजगीर-चांपा। कुत्ता को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर खंभे से जा टकराई। घटना में बाइक चालक की अस्पताल ले जाते वक्त बीच रास्ते में ही मौत हो गई। मामला सारागांव थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़पार की है।

सारागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना रविवार 11 अगस्त की है। बाराद्वार थाना क्षेत्र के ग्राम दर्राभाठा निवासी मुकेश खांडे किसी काम से सारागांव क्षेत्र के ग्राम मुड़पार गया हुआ था। इस बीच वह काम निपटाकर अपने गांव दर्राभाठा लौट रहा था। वह मुडपार पहुंचा ही था कि सामने में अचानक दौड़ता हुआ

एक कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के चक्कर में मुकेश खांडे की बाइक अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे के खंभे से जा टकराई। मुकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर व और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। आसपास के उपचार के लिए जिला चिकित्सालय जांजगीर भेजा। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में सूचना पर पुलिस ने पंचनामा की कार्यवाही करने के पश्चात पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया।

चांपा के डोंगाघाट के पास अवैध रूप में बिक रही नशीली दवा

जांजगीर चांपा । चांपा क्षेत्र के शहर और ग्रामीण अंचल में गुपचुप तरीके में प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। नशीली दवाओं के गिरफ्त में किशोर और युवा पीढ़ी बर्बाद हो रहा है। नशे के मामले में चांपा थाना क्षेत्र का बुरा हाल हैं। दरअसल क्षेत्र मे नशीली दवाओं का बिक्री जोरों पर है। चांपा के कई दुकानों में नींद की गोली आसानी से मिल जाती है। जिसको सस्ते नशे के रूप में सेवन कर नशा किया जा रहा है। इस वजह से आसपास के क्षेत्र के लोग भी चांपा के डोंगाघाट में आजकल डेरा जमाए रहते हैं। वहां विभिन्न प्रकार की नशीली दवाओं का लेन-देन होता है। रोजाना सैकड़ों की तादात में लोग वहां पहुंचकर नशे की समान खरीद कर इसका सेवन कर रहे हैं। पूर्व में वहां नशीली सिरप के साथ एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया था। उसके बावजूद भी वहां नशीली प्रतिबंधित सिरप की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। पुलिस जानबूझकर भी ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं कर पा रही है।

थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनी, उच्चभट्ठी, बालपुर सहित आसपास के गांवों में नशीली दवा नशा करने के वालों को उपलब्ध हो जाती है। इसके साथ ही गांव में कई जगहों पर देसी व विदेशी शराब भी बिक रही है। कई बार कार्रवाई होने के बाद भी इस पर लगाम अब तक नहीं लग पाई है। ग्रामीणों की माने तो प्रशासन शराब माफियाओं, कोचियों को मौन स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके कारण बिना डर भय के सुबह से देर रात्रि तक शराब तस्कर दिन दहाड़े दिखाई दे देंगे। नशे के अवैध कारोबारी पर शिकंजा कसा जाता है। परफेक्ट लोकेशन व संदिग्धों के नाम मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू चढ़ाया

अकलतरा। जैन धर्म के 23 तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक पर्व मुकुल सप्तमी जैन समाज के तत्वावधान जैन मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। भगवान पार्श्वनाथ को शांति धारा करने का अवसर सुभाष जैन, सौरभ जैन, विजय किशोर जैन, रूपेश जैन, नितिन जैन, वीरेंद्र जैन परिवार को मिला। जैन मंदिर में भगवान की शांति धारा करने के बाद सामूहिक पूजा-अर्चना के लोगों ने की। इसके बाद भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। निर्वाण लाडू चढ़ाने का सौभाग्य राजेश जैन परिवार को मिला। जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार जैन व सचिव रूपेश जैन ने बताया कि जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ वाराणसी के राजा अश्वसेन और महारानी वामा के पुत्र थे। बचपन से ही वैराग्य भावना की ओर अग्रसर भगवान पार्श्वनाथ ने 30 वर्ष की आयु में राजपाट के सुख और वैभव को त्याग कर वन मार्ग की ओर गमन किया। कठिन तपस्या करते हुए भगवान पार्श्वनाथ ने मुकुल सप्तमी के दिन झारखंड में स्थित जैन धर्म के पवित्र तीर्थ स्थान सम्मेद शिखर पर्वत के स्वर्ण भद्र कूट से मोक्ष प्राप्ति की। राज पाट के सुख और वैभव में मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती।

15 गुना आमदनी बढ़ा लिया किसानों ने फसल चक्र परिवर्तन से

जांजगीर। कम लागत और अधिक फायदा होने के बावजूद किसान नकदी फसल लेने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, वहीं क्षेत्र में कुछ ऐसे भी लोग हैं, जो खेतों में आधुनिक खेती को अपनाकर कुछ ही समय में अपनी आमदनी कई गुना बढ़ा ली है। उनमें से एक पामगढ़ ब्लाक के बारगांव निवासी किसान कुंवर सिंह मधुकर हैं। उन्होंने धान की पारंपरिक खेती छोड़ सब्जियों की ओर रुख किया।

तीन साल की मेहनत रंग लाई और अपनी इनकम पहले की अपेक्षा 10 गुना तक बढ़ गई है। पिछले साल उन्होंने 16 एकड़ में बैगन की खेती कर प्रति एकड़ 4.5 लाख रुपए कमाए। उसके साल उन्होंने दो एकड़ में परवल की खेती भी की थी। उसमें पैदावार होने लगी है। कुंवर सिंह के अनुसार उन्हें इसमें प्रति एकड़ छह लाख तक आमदनी होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि पहले धान की खेती कर प्रति एकड़ 30 हजार रुपए आमदनी ही होती थी। उसमें भी कई बार मौसम की मार पड़ जाती है, पर आधुनिक तरीके से खेती करके नकदी फसल लेने से उनके इनकम में अच्छा खासा इजाफा हुआ और आर्थिक स्थिति में सुधार आया। वे खेत में 30 मजदूरों को भी सालभर रोजगार दे रहे हैं।

जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचे ज्वाइंट डायरेक्टर

बाराद्वार। नगर पंचायत बाराद्वार में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन में किया गया। शुरुआत में प्रत्येक वार्ड में शिविर लगाया गया वही अन्तिम दिन नगर के मंगल भवन में सभी वार्डों के आवेदनों को सामूहिक रूप से लिया गया।

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतिम दिवस नगरीय निकाय के ज्वाइंट डायरेक्टर राकेश जायसवाल भी शिविर का औचक निरीक्षण करने बाराद्वार पहुंचे। शिविर में उन्होंने शिविर में उपस्थित सभी कर्मचारियों से जानकारी ली वहीं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को शिविर स्थल में आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही बीपी, शुगर मापने तथा अस्पताल में मौजूद मौसमी बीमारियों की नि:शुल्क दवा वितरण का निर्देश दिया। ज्वाइंट डायरेक्टर राकेश जायसवाल ने शिविर में उपस्थित नगर पंचायत बाराद्वार के उपाध्यक्ष विजय सूर्यवंशी, सीएमओ लक्ष्मण देहारी, नेता प्रतिपक्ष दीपक ठाकुर, पार्षद अजय सिंह राजपूत अनिल यादव से इस शिविर के लाभ एवं इस शिविर प्राप्त आवेदनों के निराकरण के विषय पर बताते हुए कहा कि सबसे पहले इस शिविर में प्राप्त आवेदनों में से अन्य विभागों के आवेदनों को तत्काल संबंधित विभाग को भेजा जाय ताकि उसका निराकरण हो सके वहीं मांग पत्रो को इकट्ठा कर उसे शासन को भेज दें एवं स्थानीय स्तर पर जो समस्याओं का समाधान करना है उसे जल्द से जल्द पूर्ण करें ताकि सभी प्राप्त आवेदन निराकृत हो सकें। नगर पंचायत बाराद्वार को जन समस्या निवारण पखवाड़ा में लगभग 425 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं जिसमें से 90 आवेदन पत्र निराकृत हो गए हैं भवन के रख रखाव का करें विशेष व्यवस्था-शिविर स्थल भीमराव अंबेडकर भवन (मंगल भवन) का निरीक्षण भी उनके द्वारा किया गया। जहां नीचले तल पर पूर्व में बने सभा हाल को पुन: सौंदर्याकरण का कार्य देखकर उन्होंने काफी तारीफ की। साथ ही साथ ऊपरी मंजिल में बने बारह सर्वसुविधायुक्त नये कमरों को देखकर उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह का भवन शायद ही किसी नगर पंचायत में बना है। यह मंगल भवन किसी बड़े होटल जैसा लग रहा है। उन्होंने नगर पंचायत उपाध्यक्ष विजय सूर्यवंशी सहित उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं सीएमओ लक्ष्मण देहारी को कहा कि इस भवन के रख रखाव का विशेष व्यवस्था करें। भवन को प्रदेश स्तर पर माडल भवन के रूप में रखा जाएगा।

अगस्त क्रांति दिवस पर अकादमी ने किया स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद

जांजगीर-चांपा । बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल मेमोरियल अकादमी द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन 9 अगस्त 1942 व आजादी की 75 वीं वर्षगांठ अगस्त क्रांति दिवस 9 अगस्त को अंचल के जनप्रतिनिधियों, साहित्य सेवियों, शिक्षविद् राष्ट्रप्रमियों की उपस्थिति में बैरिस्टर मेमोरियल अकादमी द्वारा देश भक्ति पूर्ण कार्यक्रम आयोजित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का पुण्य स्मरण किया गया। विदित है भारत माता की स्वतंत्रता में अगस्त माह का बहुत ही महत्व पूर्ण स्थान है। इतिहास के पन्नों को पलट कर देखेंगे तो देश की आजादी के लिए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अगस्त माह में अनेक आंदोलनों का सूत्रपात किया था, जिसमें प्रमुख रूप से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर अगस्त क्रांति 9 अगस्त वर्ष 1942 को अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन प्रमुख है।

जिसमें देश की आजादी में राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ आवाम के समग्र भारत वासियों के अपना योगदान दिया था। इस परिपेक्ष्य में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर के प्रखर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश व अविभाजीत बिलासपुर जिले के अपने अनेक सहयोगियों के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया गया था। इस अवसर पर रघुराज प्रसाद पांडेय, आचार्य नन्द मिश्रा, प्रदेश पंचायती राज संगठन संयोजक दिनेश शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश पैगवार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से डॉ. परस शर्मा, रमेंद्र सिंह चौहान, श्रवण सिंह, सुरेश सिंह क्षत्रिय, जिला कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अर्जुन सिंह क्षत्रिय, रवेंद्र सिंह, साहित्य सेवी हजारी लाल, बोधीराम साहू, नवल सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

टोल फ्री नंबर पर फोन करने से घर आएंगे संगवारी, 24 तरह के प्रमाण पत्र बनाएंगे

जांजगीर। राज्य में सरकार बदलते ही योजना का नाम भी बदल गया है। पहले जो मितान था वह अब मोर संगवारी हो गया है। ऐसे में जन्म, मृत्यु, विवाह आदि प्रमाण पत्र बनवाने के लिए टोल फ्री नंबर पर कॉल करने पर मितान नहीं, संगवारी घर आएंगे। सरकार ने योजना में विस्तार किया है। मितान में लोगों को मात्र 13 प्रकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, लेकिन अब नाम बदलने के बाद इसे बढ़ाकर 24 प्रकार की सुविधाओं तक कर दिया है। संगवारी के तहत लोग घर बैठे नया राशन कार्ड बनाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। राशन कार्ड में नाम सुधारने से लेकर एपीएल, बीपीएल राशन कार्ड आदि के संबंध में भी मदद ले सकते हैं। साथ ही असंगठित मजदूर कार्ड, भूमि के दस्तावेज की नकल आदि के लिए भी आवेदन कर सकेंगे। नगर पालिका में सुविधा शुरू मोर संगवारी सुविधा जांजगीर-नैला, अकलतरा और चांपा नगर पालिका में उपलब्ध है। घर बैठे प्रमाण पत्र बनाने के लिए लोगों को टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना है।

सिवनी के प्रथम सरपंच धर्मदत्त की पुण्यतिथि पर कई प्रकार के सेवाकार्य किये गए नगर में

न्यायप्रिय थे स्व. धर्मदत्त पाण्डेय- चंदेल

जांजगीर चांपा। क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक, न्याय पंचायत नैला के पूर्व उपाध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत सिवनी (नैला) के प्रथम निर्वाचित सरपंच स्व. पंडित धर्मदत्त पाण्डेय को 61 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। इस अवसर पर शनिवार 10 अगस्त को प्रतिवर्षानुसार नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, दिव्यांगो को ट्राई सायकिल का वितरण एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिवनी (नैला) में किया गया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर स्व. धर्मदत्त पाण्डेय को श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष छ.ग. विधानसभा नारायण चंदेल ने कहा कि स्व. धर्मदत्त पाण्डेय न्यायप्रिय थे और न्याय के लिए वे कभी गरीब-अमीर, जात-पात में भेदभाव नहीं किए। उन्होंने आगे कहा कि पं. धर्मदत्त पाण्डेय न्याय पंचायत उपाध्यक्ष के होने के साथ-साथ जननेता भी थे आज ग्राम सिवनी गौरव ग्राम कहलाता है यह स्व. धर्मदत्त जी के संस्कारों का ही देन है। उन्होंने कहा दुनिया मे मे कुछ ही लोग होते है जो इतिहास में याद रहते हैं उनमे से से स्व. पाण्डेय एक थे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र की जनता का लगातार मिल रहा प्यार और सम्मान ही पाण्डेय परिवार का संबल और धरोहर है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार ईश्वरी प्रसाद यादव ने कहा कि पूर्वजों के किए हुए कार्यों को याद रखना हमारी संस्कृति है और समाज में वही याद किया जाता। है जिसने समाज के हित मे अपना तन, मन, धन न्यौछावर किया हो। उन्होंने स्व. धर्मदत्त के जीवन यात्रा को पुस्तक

के माध्यम से संकलित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के लि के विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल ने कहा कि स्व. धर्मदत्त पाण्डेय की लोकप्रियता को इसी बात से समझी जा सकती है कि उन्होंने कुल 55 साल का जीवन जिया और आज 61 वर्षों से क्षेत्र के नागरिक लगातार उन्हें याद कर रहे है। उन्होंने स्व. पाण्डेय के किये गये कार्यों को आज भी प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू ने कहा स्व. धर्मदत्त जी का जीवन संघर्ष भरा रहा और उन्होने हमेशा दीन दुखियों को सहारा दिया साथ ही स्व. धर्मदत्त पाण्डेय को जननेता बताते हुए उनके बताये हुए। रास्ते पर चलने के लिए जनता को आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि छ.ग.मा.शि. मंडल रायपुर के सदस्य चन्द्रकांत तिवारी ने कहा कि आज का दिन स्व. धर्मदत्त पाण्डेय के बताये हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लेने के साथ साथ उन्होने स्व. पाण्डेय को वर्तमान के राजनीति मे कार्य करने नेवाले युवा पीढ़ी के लिए आदर्श व्यक्तित्व कहा। कार्यक्रम को जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार, पूर्व सरपंच सनत पाण्डेय, ग्राम बोडसरा सरपंच अरूण राठौर, भाजपा नेता शैलेन्द्र पाण्डेय ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन स्व. धर्मदत्त पाण्डेय के सुपौत्र इंजीनियर रवि पाण्डेय, स्वागत भाषण ग्राम पंचायत सिवनी के सरपंच श्रीमती चाई महारथी चौहान एवं आभार प्रदर्शन ग्राम सचिव रमाकांत पाठक ने किया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा प्रतिवर्षानुसार ग्राम मेहंदी के बजरंग पटेल एवं ग्राम सिवनी चांपा के अमित कुमार बरेठ को मोटराईज्ड ट्रायसाइकिल वितरण के साथ पौधारोपण किया गया एवं प्रतिभावान छात्र-छात्रा जिसमे कक्षा 10वीं में छत्तीसगढ़ में सातथों स्थान प्राप्त वंशिका राठौर सहित राजेश हंस, युक्ति पटेल, शालिनी बरेत का प्रोत्साहन राशि सहित सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मण्डी अध्यक्ष कृष्णकुमार पाण्डेय, डॉ. यू सी. शर्मा, डॉ. परस शर्मा, डॉ. अरविन्द द्विवेदी, भरतलाल पाण्डेय, मनहरण लाल पाण्डेय, रमेश मिश्रा, दिनेश मिश्रा, किशोर पाण्डेय, मनोज पाण्डेय, प्रदीप चतुर्वेदी, प्रवीण पाण्डेय, सत्यानारायण शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि महारथी चौहान, ममता राठौर, डॉ. धनेश्वरी जागृति, चन्द्रकांता राठौर, देवेश सिंह, विवेकागोपाल, शंकर सिंघानिया, के. के. शुक्ला, जनपद सदस्य श्रीमती पूर्णिमा भवानी सूर्या, ग्रामपंचायत बनारी सरपंच बोधराम राजवाड़े, कन्हाईबंद सरपंच श्रीमती एकता रजनीकांत तिवारी, भड़ेसर सरपचं प्रतिनिधि रामकुमार यादव, उपसरपंच राजेश पाण्डेय, बुड़ेना सरपंच राजेश्वर कश्यप, शत्रुहनंदास महंत, परमेश्वर राठौर, शिवकुमार तिवारी, अधि. प्रभाकर तिवारी, अधि. महेन्द्र कुमार पाण्डेय, सलिम सिद्दकी, गोविन्द साहू, भुनेश्वर साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

धान उठाव में आगे, चावल जमा करने में 29 वें नंबर पर जिला

जांजगीर - चांपा। धान खरीदी के मामले में प्रदेश के छह बड़े जिले में शामिल जांजगीर चांपा जिला चावल जमा करने के मामले में फिसड्डी साबित हो रहा है। मिलरों को पांच लाख 84 हजार मीट्रिक टन चावल जमा करना है। मगर अभी तक केवल तीन लाख 50 हजार मीट्रिक टन चावल ही जमा किया गया है। जबकि एफसीआई में दो लाख 33 हजार मीट्रिक टन चावल जमा करना बाकी है। चावल जमा करने के मामले में जिला पूरे प्रदेश में 29 वें नंबर पर है। हालांकि विभाग के अधिकारी इसके पीछे की वजह रेलवे के द्वारा रेक उपलब्ध नहीं कराने को मान रहे हैं। जबकि छोटे जिले जहां रेक की उपलब्धता नहीं है वे चावल जमा करने के मामले में आगे हैं। समर्थन मूल्य में धान खरीदी के दौरान प्रदेश में धान उठाव के मामले में आगे रहने वाला जिला चावल जमा करने के मामले में पिछड़ा हुआ है। कस्टम मिलिंग के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को चावल की आपूर्ति करने के लिए खाद्य विभाग ने जिले में 157 राइस मिलरों को पंजीकृत किया है। पंजीयन के बाद मिलरों को कस्टम मिलिंग के तहत चावल जमा करने के लिए खरीदी केंद्रों से धान की आपूर्ति भी कर दी गई है। लेकिन मिलरों ने अपने कोटे के हिसाब से कस्टम मिलिंग के तहत चावल जमा अब भी एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम में नहीं किया है।

निखादराम केंवट का निधन

राहौद। समीपस्थ ग्राम धरदेई के प्रतिष्ठत नागरिक निखादराम केंवट का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े बेटे चेतन प्रसाद साहू ने दी। उनकी अंतिम यात्रा में स्वजातीय बंधु सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

श्रीमती संतरा देवी केड़िया दिवंगत

चांपा। स्थानीय कोरबा रोड निवासी अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित नागरिक एवं व्यवसायी स्व. जगदीश प्रसाद केड़िया की धर्मपत्नी एवं श्याम बाबा सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष शीतल केड़िया की माता श्रीमती संतरा देवी केड़िया का रविवार 11 अगस्त को सुबह निवास पर निधन हो गया। वे 85 वर्ष की थी। स्व. श्रीमती केड़िया अपने पीछे तीन पुत्रों एवं चार पुत्रियों समेत नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार छोड़ गयी है। उनका अंतिम संस्कार रविवार को सायं 4 बजे कोरबा रोड स्थित मारवाड़ी मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि ज्येष्ठ सुपुत्र शीतल केड़िया ने दी।

अनमोल वचन......

सच्चाई को निज जीवन में सर्वोपरि स्थान देने वाले ही असल में सम्मान के अधिकारी होते हैं।

दिल्ली में उभरते विवाद लोकतंत्र के लिए चुनौती

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उपराज्यपाल को एमसीडी में दस एल्डरमेन नामित करने के अधिकार को चुनौती दी गई थी। अदालत ने कहा वह (उपराज्यपाल) मंत्रीपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य नहीं हैं। उपराज्यपाल कार्यालय और दिल्ली सरकार के दरम्यान तनावपूर्ण संबंधों पर असर डालने वाले फैसले में पीठ ने कहा कि 1993 में संशोधित दिल्ली नगर निगम कानून उपराज्यपाल को निगम की विशेष जानकारी रखने वालों को नामित करने का विशेष अधिकार देता है।

शक्ति संदर्भ में यह स्पष्ट है कि उपराज्यपाल को कानून के अनुसार काम करना होता है न कि मंत्रीपरिषद की सलाह के अनुसार। यह राज्यपाल का वैधानिक कर्तव्य है, न कि राज्य की कार्यकारी शक्ति। एमसीडी में ढाई सौ निर्वाचित और दस नामित सदस्य हैं। दिसम्बर, 2022 में नगर निगम चुनाव में आप ने 134 वार्ड जीत कर भाजपा के पंद्रह साल के शासन को खत्म कर दिया था। आप के वरिष्ठ नेता सांसद संजय सिंह ने इस फैसले पर नाराजगी व्यक्त की। सिंह ने कहा कि यह चुनी गई सरकार पर एलजी के अधिकारों को तवज्जो देने वाला फैसला है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय कहा। दिल्ली के मुख्यमंत्री समेत कई वरिष्ठ नेता विभिन्न मामलों में इस वक्त जेल में हैं जिससे सरकार के काम-काज में पहले ही खासी दिक्कत आ रही है। दूसरे जब से दिल्ली की सत्ता आम आदमी पार्टी के हाथ आई है, तब से उसकी लगातार केंद्र और उपराज्यपाल से ठनी रहती है। दोनों कई बार पहले भी अदालत की शरण जा चुके हैं। यह कहना गलत नहीं है कि जनता द्वारा चुनी गई सरकार को काम-काज की पूरी छूट होनी चाहिए। इसमें नियमों/कानून की अवहेलना कतई बर्दाश्त नहीं की जा सकती। चूंकि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं प्राप्त है, इसलिए लगातार विवाद उभरते रहते हैं जो लोकतंत्र के लिए चुनौती हैं। अधिकार क्षेत्र या विकास कार्यों को लेकर उठने वाले विवादों के निपटारे के लिए पारदर्शी नियम बनाए जाने की जरूरत है। सरकार को भी अपने फैसलों में एलजी के अधिकारों का अतिक्रमण करने से बचना सीखना होगा। दरअसल, जब से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार आई है, तभी से केंद्र और उसके बीच जब-तब मसले और मामले और विवाद उभरते रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि दोनों तरफ परस्पर विवेकपूर्ण रवैया अपनाया जाए।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज अपने व्यक्तित्व और स्वभाव में लाया गया परिवर्तन बेहतरीन रहेगा। सामाजिक और पारिवारिक लोगों की तरफ से विशेष मान-सम्मान भी मिलेगा। घर में किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से किसी खास मुद्दे पर सकारात्मक विचार विमर्श भी होगा। आज अपनी योजनाओं और गतिविधियों को सीक्रेट रखें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसायिक कार्यप्रणाली में किसी भी तरह की बेहतरी की उम्मीद ना करें। यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने और आर्थिक स्थितियों को मजबूत करने के लिए उत्तम है। आज नौकरी कर रहे लोगों को फोन द्वारा किसी उच्चाधिकारी से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज का समय उपलब्धियों वाला है। आज अपनी पूरी मेहनत व ऊर्जा अपने कार्यों के प्रति लगाएंगे। आज आपको ध्यान रखना होगा कि किसी व्यवसायी के साथ लड़ाई-झगड़े जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। इसमें अपने गुस्से व आक्रोश पर काबू रखना जरूरी है।

कर्क राशिः आज आप खुशियों से भरे दिन की शुरुआत करने वाले हैं। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ेगी। आज गतिविधियों में आपका योगदान होने से आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। आपके व्यक्तिगत काम भी आज काफी हद तक सुचारू रूप से पूरे हो जाएंगे। आज कोई समस्या होने पर आपको मित्रों द्वारा उचित मदद भी मिलेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से ज्यादा घुलना-मिलना आपको नुकसान दे सकता है। आज अपनी कोई भी खास बात किसी से भी शेयर ना करें। कभी-कभी बहुत ज्यादा आत्म केंद्रित होना और ईगो की भावना रखने से आपसी संबंधों में कुछ तनाव आ सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहना दूसरों के बीच आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज किसी अटके हुए काम को पूरा करने के लिए उचित समय है। किसी भी योजना को क्रियान्वित करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह भी जरूर ले। लेनदेन के मामलों को लेकर आपसे कोई गलती हो सकती है।

तुला राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बनायेंगे, योजना भविष्य में कारगर साबित होगी। आज स्वास्थ्य संबंधी हल्की-फुल्की परेशानी रहने की वजह से आलस और सुस्ती हावी रहेगी। जिसका असर आपकी कार्यप्रणाली पर पड़ सकता है। सकारात्मक बने रहने के लिए अच्छे साहित्य और पारिवारिक लोगों के संपर्क में रहेंगे तो बढ़िया रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आज अपनी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उसे रचनात्मक कार्यों में लगाएंगे। इससे आपको मानसिक मिलेगा। आज दिन का अधिकतर समय पारिवारिक लोगों के साथ बीतेगा, सभी लोग खुशी महसूस करेंगे।आज आपको जीवनसाथी से खुशखबरी मिलेगी, जिससे पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज किसी भी काम को करने से पहले उससे संबंधित जानकारी हासिल करने से ज्यादा सफलता मिलेगी। आप अपनी प्रतिभा को पहचाने और पूरी ऊर्जा के साथ अपनी दिनचर्या व कार्यप्रणाली को व्यवस्थित रखेंगे। आज ध्यान रखें कि आपके सरल स्वभाव का कुछ लोग नाजायज फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। आज नौकरी कर रहे लोगों को अपने किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। आज जीवनसाथी के साथ खट्टी-मीठी नोकझोंक रहेगी। जिसकी वजह से संबंधों में और अधिक नजदीकियां बढ़ेंगी। आज समय का सही इस्तेमाल करेंगे और हर काम को लगन से करने की ललक रहेगी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन कॉफिडेंस से भरा रहेगा। परिवारिक माहौल बेहतर बना रहेगा। आपके काम में परिवार वालों का सहयोग बना रहेगा। कारोबार में मेहनत का फायदा मिलेगा। आज राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े मित्र की पावर आपके लिए कारगर साबित होगी। उसके साथ लाभदायक बिंदुओं पर विचार-विमर्श भी रहेगा। सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग करना आपका मान-सम्मान बढ़ाएगा।

मीन राशिःआज आपका दिन ख़ास से रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। नवविवाहितों के जीवन में खुशियाँ बढ़ेगी। आज अपने जीवन को सकारात्मक नजरिए से समझने की कोशिश करेंगे तो इससे चल रही गलतफहमिया सुलझ जाएंगी। धर्म और अध्यात्म के प्रति बढ़ता हुआ आपका विश्वास आपको शांति और मानसिक सुख देगा। किसी खास मुद्दे पर चर्चा भी रहेगी। आपकी सकारात्मक सोच से परिस्थितियां अच्छी होंगी। ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर देगा, काम करने में मन लगा रहेगा।

भाजपा को चुनौतियों का सामना

//अवधेश कुमार//

भाजपा इस समय एक साथ जिन चुनौतियों का सामना कर रही है उनमें हमें विपक्षियों का आक्रमण शायद सबसे बड़ा दिखता होगा। किंतु विपक्ष का विरोध और तेवर उनके लिए अपेक्षित है तथा इसका मुकाबला करने में भाजपा को संकोच भी नहीं हो सकता। आप अगर धरातल पर काम करते हैं या सोशल मीडिया पर दृष्टि है तो देखेंगे कि इस समय भाजपा को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी और निराशा उनके स्वयं के कार्यकर्ता, स्थानीय नेता और प्रतिबद्ध समर्थक प्रकट कर रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों में ऐसे लोगों की संख्या छोटी-मोटी नहीं है जिनके विश्लेषणों, वक्तव्यों और व्यवहार में भावनाएं आबद्ध होतीं हैं।

भाजपा की यही सबसे बड़ी ताकत है तो इन्हें संभालना नेतृत्व के लिए वैसी ही चुनौती भी है। चुनाव में भाजपा के उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए अनुमान लगाया गया था कि ऐसे लोग अब शांत होंगे। ऐसा हुआ नहीं है। आश्चर्य की बात है कि काफी पढ़े-लिखे और बड़े लोग भी इस समय विपक्ष की आलोचना या विरोध करने की जगह भाजपा नेतृत्व पर ही हमले कर रहे हैं। सरकारों में इनकी या इनके जैसे लोगों की व्यापक अनदेखी, उम्मीदवारों का उनकी कसौटी पर सही नहीं होना तथा केंद्र व प्रदेशों में उच्च पदों पर बैठे अनेक चेहरों तथा उनकी भूमिकाओं में इनकी शिकायतों को स्वीकार करने में समस्या नहीं है। किंतु इनमें ज्यादातर लोग हिन्दुत्व, हिन्दुत्व अभिमुख राष्ट्र भाव, आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा, धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, इतिहास, सामाजिक न्याय आदि के आधार पर अपना विचार और व्यावहारिक निर्धारित करते हैं।

वास्तव में ये दोनों अलग-अलग पहलू हैं। साफ है कि भावावेश में इस सच को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इन मामलों पर स्वतंत्रता के बाद किसी सरकार ने काम किया है तो वह नरेन्द्र मोदी सरकार ही है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी इस मायने में राजनीति में आज तक के सबसे प्रखर, मुखर और निर्णय लेने वाले नेता बन चुके हैं। 2019 में अमित शाह द्वारा गृह मंत्रालय संभालने तथा सरकार में दूसरे निर्णायक की भूमिका में आने के बाद हिन्दुत्व व भारतीयत्व के मामले में सरकार सोच और नीतियों में ज्यादा दृढ़ हुई है। यह तो संभव है कि जिस गति और परिमाण में समर्थकों का एक बड़ा समूह काम करने की अपेक्षा रखता था वह नहीं हुआ। सत्ता और संगठन से जुड़े अनेक नेता भी विचारधारा की कसौटी पर खरा उतरने नहीं दिखे। किंतु राजनीति के दूसरे दलों और नेताओं से तुलना करें तो तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगी। निस्संदेह, भाजपा को संगठन तथा सत्ता की सोच तथा आचार व व्यवहार में व्यापक संवेदनशील बदलाव की आवश्यकता है और यह आसानी से नहीं हो सकता। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय ऐसी समितियां बनें जो स्थानीय कार्यकर्ताओं, नेताओं, समर्थकों से बातचीत कर तथ्य इकट्ठा करें और उनके अनुसार तात्कालिक और दूरगामी दृष्टि से जो कुछ चिंतन, व्यवहार और चेहरे के स्तर पर बदलाव होना चाहिए वह किया जाए। व्यक्तिगत बातचीत या सोशल मीडिया की बहस में शिक्षा, इतिहास, संस्कृति, कला, साहित्य, समाज विज्ञान आदि से जुड़ी संस्थाओं ने वाकई 10 वर्षों में ऐसे रेखांकित करने वाले काम नहीं किया जिसे वर्षो से चले आरोपित विकृत वामपंथी सिद्धांत, धारणाएं और नैरेटिव ध्वस्त हो सके।

सरकारी विभागों को तो छोड़िए इन संस्थानों, विविद्यालयों आदि के संरचनात्मक ढांचे में भी बदलाव नहीं हुआ। कुल मिलाकर इनकी प्रकृति से ऐसा लगता नहीं कि वाकई पुरानी सोच और व्यवहार वाली सत्ता बदल चुकी है। इससे सक्रिय बौद्धिक वर्ग और नैरेटिव की लड़ाई लड़ने वालों को धक्का पहुंचना बिल्कुल स्वाभाविक है। किंतु दूसरी ओर यह भी सच है मोदी सरकार ने भारत के दूरगामी भविष्य का ध्यान रखते हुए ऐसे कार्य किए जिनकी कल्पना पहले नहीं की गई थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन कानून, एक साथ तीन तलाक के विरु द्ध कानून, भाजपा की राज्य सरकारों द्वारा गो हत्या निषेध की कानूनी व्यवस्था, पाकिस्तान सीमा के अंदर कार्रवाई, भारतीय सभ्यता-संस्कृति के अनुरूप जी-20 और कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, विदेश यात्राओं में मोदी द्वारा भारतवंशियों के बीच संबोधन से भारतवंशियों में भारत, भारतीय सभ्यता-संस्कृति और हिन्दुत्व को लेकर गर्व का भाव पैदा करने, काशी तमिल संगम जैसे कार्य विचारधारा वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए संतोष के विषय होने चाहिए।

यह कहना आसान है कि श्रीराम मंदिर का निर्माण तथा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तो उच्चतम न्यायालय के आदेश से संभव हो सका। क्या केंद्र में मोदी के नेतृत्व में सरकार नहीं होती तथा प्रदेश में भी भाजपा की जगह दूसरी सरकार होती तो मंदिर का निर्माण हो पाता। आज अमेरिका सहित विश्व के कई प्रमुख देश आरोप लगा रहे हैं कि भारत उनकी धरती पर हत्याएं करवा रहा है। भारत विरोधी आतंकवादी चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं।

पाकिस्तान आरोप लगा रहा है कि भारत की एजेंसियां ही हत्या करवा रही है। यह कैसे हो रहा है क्यों हो रहा है इस पर प्रमाणित तथ्य देना कठिन है, किंतु पूर्व में तो कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी एक ऐसे नए मुखर भारत का उदय हुआ है जो अपने राष्ट्रीय हित पर केंद्रित विचार से निर्णय करते समय यह नहीं सोचता कि कौन देश इससे नाराज होगा और कौन खुश। एक समय निर्गुट आंदोलन के नाम से अवश्य वैश्विक संगठन चला, लेकिन निर्गुटता का साकार रूप हमने मोदी सरकार के दौरान ही देखा है।

आज भारत किसी के गुट में नहीं लेकिन किसी के विरुद्ध भी नहीं। 10 वर्षों में प्रधानमंत्री के अप्रोच और सरकार की भूमिका के कारण आज भारत ही नहीं विश्व भर के हिन्दू स्वयं को हिन्दू कहने, अपने त्योहार, प्रमुख दिवस मनाने में वैसे ही मुखर हैं जैसे दूसरे मजहब के लोग। यह ऐसा बदलाव है जिसको सही दिशा दी गई। इसी कारण दुनिया के अनेक शक्तिशाली सरकारी गैर सरकारी शक्तियां मोदी सरकार के विरुद्ध अभियान चलाकर सत्ता से बाहर करना चाहती है। इसलिए भाजपा और सरकार में चेहरे चरित्र और चाल में बदलाव के लिए आवश्यक आवाज उठे किंतु दूसरे पक्ष को ध्यान न रखेंगे तो परिणाम घातक होगा। फिर आप विरोधियों के एजेंडे और लक्ष्य को पूरा करने का काम करेंगे।

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

//प्रह्लाद सबनानी//

लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज स्व के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे भारत के हित सर्वोपरि हैं की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हत्तोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है। परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है। हिंदू सनातन धर्म का अनुपालन करने वाले नागरिक पशु, पक्षी, वनस्पति, पहाड़, नदियों आदि में भी ईश तत्त्व का वास मानते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में पला बढ़ा नागरिक अपने विचारों में सहिष्णु होता है तथा सभी जीवों में प्रभु का वास देखता है इसलिए वह हिंसा में बिल्कुल विश्वास नहीं करता है। इसी के चलते यह कहा जा रहा है कि विश्व के कई देशों में लगातार बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी ही सहायक हो सकते हैं। और फिर, हिंदू जीवन दर्शन का अंतिम ध्येय तो मोक्ष को प्राप्त करना है। इस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से भी हिंदू सनातन संस्कृति के अनुयायी कोई भी काम आत्मविचार, मनन एवं चिंतन करने के उपरांत ही करता है। इस प्रकार, इनसे किसी भी जीव को दुखाने वाला कोई गल्त काम हो ही नहीं सकता है। विश्व के कई देशों के बीच आज आपस में कई प्रकार की समस्याएं व्याप्त हैं, जिनके चलते वे आपस में लड़ रहे हैं एवं अपने नागरिकों को खो रहे हैं। यूक्रेन - रूस के बीच युद्ध एवं हमास - इजराईल के बीच युद्ध आज इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

राजनैतिक दलों का आत्मचिंतन

खबर है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने देश के भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और वहां के उप मुख्यमंत्रियों से दो दिन तक मंथन किया । अब मीडिया में यह तो नहीं आया कि इस मंथन की विषय वस्तु क्या थी, परन्तु यह तो निश्चित ही है कि भाजपा के गिरते ग्राफ और कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों की प्रति असंतोष पर गहन चर्चा हुई होगी । मीडिया में यह तो आया है कि उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य व अन्य उप मुख्यमंत्रियों का योगी जी द्वारा आहूत बैठकों में भाग न लेने को अनुशासनहीनता माना गया है । मैं पहले लिख चुका हूं कि प्रोटोकॉल के अनुसार नड्डा जी को केशव प्रसाद मौर्य को समय देकर उनसे नहीं मिलना चाहिए था । पिछले कुछ दिनों से केशव प्रसाद मौर्य खुलेआम कह रहे हैं कि सरकार से बड़ा संगठन होता है । परन्तु भाजपा का शीर्षस्थ नेतृत्व अभी उत्तर प्रदेश में योगी जी को बदलने नहीं जा रहा है । प्रधानमंत्री तो कई बार कह चुके हैं कि यूपी योगी यानि उपयोगी । यह खबर भी काफी प्रचलित है कि योगी जी प्रधानमंत्री की कुर्सी की ओर देख रहे हैं । परन्तु 2029 के लोकसभा चुनाव में भी अभी मोदी जी ही चौथा टर्म करेंगे । योगी जी की बुलडोजर नीति घरेलू मामले में कामगार हो सकती है, परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य के बारे में योगी जी की परीक्षा अभी हुई नहीं हैं । विश्व स्तर पर आज मोदी जी सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं ।

तस्वीरों की दुनिया

बांग्लादेश हिंदू, बुद्ध, ईसाई एकता परिषद के सदस्यों ने चटगाँव में अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

केरल समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष साजी पोथन थॉमस ने नई दिल्ली में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को रेशमी शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के जूनियर डॉक्टर्स ने कोलकाता में एक महिला पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए तख्तियां पकड़ीं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक करते हुए।

अनंतनाग के कोकेरनाग सब-डिवीजन में मुठभेड़ स्थल पर सेना के जवान अपनी स्थिति संभालते हुए।

जयपुर में भारी बारिश के बाद जलभराव वाली सड़क से गुजरते लोग।

सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने चुराचांदपुर में कुकी आतंकवादियों के बंकरों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ी मुश्किलें, जहां हुआ था हमला, कमला हैरिस वहां भी आगे

वाशिंगटन, 12 अगस्त [एजेंसी]।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस तेजी से बढ़त बना रही हैं। वह रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पेंसिल्वेनिया राज्य में भी आगे निकल गई हैं, जहां उन पर एक रैली के दौरान हमला हुआ था। न्यूयार्क टाइम्स और सिएना कॉलेज द्वारा कराए गए सर्वे के अनुसार, कमला हैरिस पेंसिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कान्सिन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से चार अंकों से आगे चल रही हैं। इस बीच बाइडन ने कहा है कि वह पेंसिल्वेनिया में हैरिस के लिए प्रचार करेंगे। सर्वे में कहा गया है कि कमला हैरिस ने 2024 के राष्ट्रपति चुनावों को बदल कर रख दिया है, क्योंकि पिछले सर्वे में ट्रंप को हैरिस और राष्ट्रपति जो बाइडन से इन तीन राज्यों में औसतन एक या दो अंकों से आगे पाया गया था। न्यूयार्क टाइम्स ने कहा कि यह समझाना कठिन है कि आज की ध्रुवीकृत राजनीति में मतदाता आखिर क्यों बदलते हैं। इससे पहले तक चुनावी दौड़ की मूल गतिशीलता राष्ट्रपति बाइडन की अलोकप्रियता से प्रेरित थी। लाखों मतदाताओं को उन दो उम्मीदवारों के बीच विकल्प चुनना पड़ रहा था, जिन्हें वे नापसंद करते थे। सर्वे में पेंसिल्वेनिया, मिशिगन और विस्कान्सिन में 49 प्रतिशत संभावित मतदाताओं ने हैरिस के प्रति समर्थन जताया। लोगों के अनुसार, हैरिस ईमानदार और बुद्धिमान हैं और वह सही तरह का बदलाव लाती हैं। उनमें राष्ट्रपति बनने की क्षमता है और देश के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है। वहीं, अमेरिकी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर निजी तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपशब्द कहा है। खबरों में दावा किया गया है कि ट्रंप को अलग-अलग मौकों पर अपशब्द कहते हुए सुना गया है, जबकि ट्रंप के चुनाव अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि यह वह भाषा नहीं है जिसका उपयोग पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कमला हैरिस के बारे में किया है।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव अभियान टीम ने शनिवार को ईरान पर ईमेल हैक कर संवेदनशील दस्तावेज चुराने और वितरित करने का आरोप लगाया है। हालांकि, ईरान की भागीदारी को लेकर कोई सुबूत पेश नहीं किया गया। टीम का यह दावा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा अमेरिकी चुनाव अभियान में ईरान की ओर से हस्तक्षेप के प्रयास को उजागर करने के बाद आया है। पोलिटिको ने शनिवार को सबसे पहले हैक की सूचना दी। उसने बताया कि 22 जुलाई को एक गुमनाम अकाउंट से ईमेल मिलना शुरू हुआ था। भेजा गया दस्तावेज रिपब्लिकन उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस पर किया गया शोध दस्तावेज प्रतीत होता है। उस पर 23 फरवरी की तारीख अंकित थी। ये दस्तावेज अवैध रूप से प्राप्त किए गए थे और 2024 के चुनाव में हस्तक्षेप करने और हमारी पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अराजकता फैलाने का इरादा था। संयुक्त राष्ट्र में ईरान मिशन ने इसमें शामिल होने से इन्कार किया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर मचा सियासी घमासान

कांग्रेस, TMC समेत विपक्षी दलों ने की सेबी प्रमुख बुच को हटाने की मांग

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

सेबी प्रमुख माधबी बुच के अदाणी समूह के साथ हितों के टकराव संबंधी हिंडनबर्ग के ताजा दावों ने सियासत को एक बार फिर से गरम कर दिया है। विपक्षी दलों ने बुच पर लगाए गए आरोपों को बेहद गंभीर करार देते हुए उन्हें तत्काल सेबी प्रमुख पद से हटाने और केंद्र सरकार से कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने इसे महाघोटाला करार देते हुए आरोप लगाया कि अदाणी समूह से अपनी अंदरूनी मिलीभगत छिपाने के लिए माधबी बुच ने सेबी को घोटाले के पूरे दायरे की जांच नहीं करने दी । तृणमूल कांग्रेस, माकपा, शिवसेना यूबीटी सरीखे आईएनडीआईए के सभी प्रमुख दलों ने हिंडनबर्ग के नए दावों के मद्देनजर अदाणी प्रकरण की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग फिर से दोहराई है। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि देश के शीर्षस्थ वित्तीय नियामक के अधिकारियों की अदाणी समूह की मिलीभगत से हुए घोटाले की जांच के लिए जेपीसी ही एकमात्र विकल्प रह गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, सेबी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मोदीजी के परम मित्र अदाणी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के रहस्योद्घाटन पर क्लीन चिट दी थी।

आज उसी सेबी की मुखिया के तथाकथितमध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों के हितों को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी में विश्वास करते हैं।कांग्रेस डिजिटल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने प्रेस कांफ्रेंस कर सेबी पर सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत से इसका स्वतः संज्ञान लेकर अदाणी प्रकरण की जांच कराने की अपील की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सेबी का इंटरनेट मीडिया अकाउंट लॉक कर दिए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब इसके शीर्ष नेतृत्व के हितों के टकराव के सुबूत सामने आए हैं, तब ऐसा कर कहीं सुबूतों को हटाया तो नहीं जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा तथा शिवसेना यूबीटी प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी जेपीसी जांच की मांग का समर्थन किया, तो माकपा पोलित ब्यूरो ने बयान जारी कर जेपीसी की आवाज बुलंद की।

भ्रष्टाचार के मामले में बरी हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस, फंड के दुरुपयोग का था आरोप

ढाका, 12 अगस्त [एजेंसी]।

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने के तीन दिन बाद मुहम्मद यूनुस को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में बरी कर दिया गया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि मुहम्मद यूनुस को भ्रष्टाचार निरोधक आयोग द्वारा ग्रामीण दूरसंचार श्रमिक और कर्मचारी कल्याण कोष से धन के दुरुपयोग मामले में रविवार को बरी कर दिया गया।पीटीआई के मुताबिक द डेली स्टार समाचार ने भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ढाका के विशेष न्यायालय-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने भ्रष्टाचार एजेंसी के आवेदन को स्वीकार करने के बाद यह आदेश दिया, जिसमें आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत मामले को वापस लेने की मांग की गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण ने 7 अगस्त को मुहम्मद यूनुस और ग्रामीण टेलीकॉम के तीन शीर्ष अधिकारियों - अशरफुल हसन, एम शाहजहां और नूरजहां बेगम को श्रम कानून उल्लंघन मामले में बरी कर दिया, जिसमें जनवरी में उन्हें छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी और प्रत्येक पर 30,000 टका का जुर्माना लगाया गया था। गौरतलब है कि 84 वर्षीय अर्थशास्त्री यूनुस ने गुरुवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। यह पद प्रधानमंत्री के बराबर होता है।

नूरजहां बेगम, जो भ्रष्टाचार मामले में भी आरोपी थीं, 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद की सदस्य हैं, जो राज्य के मामलों को चलाने में यूनुस की सहायता करेंगी।पीटीआई के अनुसार यूनुस का शेख हसीना सरकार के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था। 2008 में अधिकारियों ने यूनुस ने के खिलाफ कई जांच शुरू की थीं। सरकार ने 2011 में वैधानिक ग्रामीण बैंक की गतिविधियों की समीक्षा शुरू की और सरकारी सेवानिवृत्ति विनियमन का उल्लंघन करने के आरोप में यूनुस को इसके संस्थापक प्रबंध निदेशक के पद से हटा दिया।हसीना के शासनकाल के दौरान यूनुस पर दर्जनों मामले दर्ज किए गए थे। कई लोगों का मानना है कि 2007 में जब देश में सैन्य समर्थित सरकार चल रही थी और हसीना जेल में थीं, तब यूनुस ने घोषणा की थी कि वह एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। इससे हसीना नाराज हो गई थीं।

पैकेज्ड फूड में बताया जाए शक्कर, नमक और फैट का लेवल सुप्रीम कोर्ट में क्यों उठी मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पैकेज्ड फूड (पैकेज्ड खाद्य पदार्थ) पर चीनी, नमक व संतृप्त वसा (सैचुरेटेड फैट) आदि की मात्रा या स्तर दर्शाने के लिए सामने की ओर एक चेतावनी लेबल प्रदर्शित करने की मांग पर विचार का मन बनाया है। कोर्ट ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थ में सामने चेतावनी लेबल लगाने की अनिवार्यता का निर्देश मांगने वाली एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले में 27 अगस्त को फिर सुनवाई होगी। ये आदेश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने गत 29 जुलाई को 3 एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी संस्था की याचिका पर सुनवाई के बाद जारी किए। संस्था ने वकील राजीव शंकर द्विवेदी के जरिये दाखिल याचिका में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का हवाला देते हुए कहा है कि ऐसे लेबल को अनिवार्य बनाना जरूरी है।याचिका में मांग की है कि केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए कि वह इस मुद्दे का संज्ञान लेकर पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में चेतावनी लेबल के संबंध में उचित नियम निर्देश जारी करे। याचिका में तेजी से बढ़ते मधुमेह रोग की ओर ध्यान खींचते हुए दावा किया गया है कि यह चुपचाप बढ़ती महामारी हो गई है। लाखों लोग प्रभावित हैं, जिससे हेल्थ केयर सिस्टम पर बहुत भार बढ़ रहा है। यह भी कहा गया है कि भारत और दुनिया में गैर संचारी रोगों में व्यापक विस्तार हुआ है ये बच्चों और वयस्क दोनों को प्रभावित कर रहे हैं। 70 फीसदी से ज्यादा मौतें इन बीमारियों से हो रही हैं, जिसमें जीवनशैली की बीमारियां शामिल हैं। भारत में इन रोगों से साल भर में 60 लाख लोगों की मौत होने का दावा किया गया है। चौंकाने वाला तथ्य है कि देश में हर चौथा व्यक्ति मधुमेह की चपेट में आ रहा है, जो कि मुख्यतः मोटापे से होती है।याचिका में कहा गया है कि वैज्ञानिक समुदाय ने जंक फूड के बढ़ते उपयोग से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, कैंसर, हृदय रोग, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण समय से पहले मृत्यु के खतरे को रेखांकित किया है। ऐसे में अस्वास्थ्यकर उत्पादों का व्यापक व्यापार स्थिति को और खराब कर देता है। इन चीजों को खाने से चीनी, नमक और संतृप्त वसा का सेवन बढ़ जाता है, जो वजन भी बढ़ाता है। याचिका के अनुसार पैकेट के सामने लेबलिंग, उपभोक्ताओं को उनके आहार के बारे में सूचित विकल्प बनाने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में काम करेगी, ताकि कंपनियों द्वारा विपणन किये जाने वाले खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों को कम किया जा सके। ऐसा करना नागरिकों को पैकेज्ड खाद्य और पेय पदार्थों में मौजूद पोषण संबंधी सामग्री और हानिकारक तत्वों को आसानी से पहचानने और समझने में सक्षम बनाएगा। अतिरिक्त चीनी, सोडियम या संतृप्त वसा आदि की अत्यधिक मौजूदगी को स्पष्ट रूप से इंगित करने से उपभोक्ता आसानी से अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की पहचान कर स्वस्थ आहार संबंधी निर्णय ले सकेंगे।

Olympics 2036 की मेजबानी के लिए भारत को टक्कर देने आया एक और देश, 2015 से कर रहा है तैयारी

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

भारत ने अभी तक ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं किया है। नरेंद्र मोदी जब से सत्ता में आए हैं तब से कई बार कह चुके हैं कि वह भारत में ओलंपिक खेलों का आयोजन करना चाहते हैं। भारत 2036 में होने वाले खेलों के महाकुंभ की मेजबानी हासिल करने की कोशिश कर रहा, लेकिन अब इस रेस में उसे चुनौती देने एक और देश आ गया है। मिस्र भी ओलंपिक-2036 की मेजबानी की दावेदारी पेश करेगा। अफ्रीकन नेशनल ओलंपिक कमेटी एसोसिएशन (एएनओसीए) के हेड ने रविवार को कहा है कि मिस्र साल 2036 और 2040 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए दावेदारी पेश करेगा। उन्होंने कहा है कि बेहतर होता इंफ्रस्ट्रक्चर और स्पोर्ट्स सुविधाओं के दम पर ये देश अपनी दावेदारी ठोकेगा।मिस्र ने कभी भी ओलंपिक खेलों की मेजबानी नहीं की है।

इस देश ने आखिरी बार 2008 ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की कोशिश की थी जिसमें वह फेल रहा था। अरब देशों में सबसे मशहूर देश मिस्र ने हाल ही में अपने इंफ्रस्ट्रक्चर, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्सेस और स्टेडियम बनाने के लिए अच्छा खासा पैसा खत्म किया है। मिस्र इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी का कॉम्पलेक्स देश की राजधानी काहिरा में 2025 से बना रहा और इसमें दर्शकों की तादाद 93,900 है।

उत्तर भारत में मौसम ने बढ़ाई मुश्किलें, 21 लोगों की गई जान, केदारघाटी में झील टूटने की आशंका

नईदिल्ली, 12 अगस्त [एजेंसी]।

उत्तर भारत में तेज वर्षा और भूस्खलन के कारण दुश्वारियों का दौर जारी है। रविवार को तेज वर्षा के कारण अलग-अलग राज्यों में हुए हादसों के चलते 21 लोगों की मौत हो गई है। राजस्थान में सबसे ज्यादा 14 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से सात की मौत बाणगंगा नदी में नहाने के दौरान डूबने से हुई। बिहार में वर्षा के कारण हुए हादसों में पांच लोगों की मौत हुई है। पहाड़ों में जहां भूस्खलन के चलते सड़कें बंद हैं, वहीं मैदानी क्षेत्रों में जलभराव और उफनाती नदियों के चलते दिक्कत बनी हुई है। जम्मू में प्रशासन ने मौसम को देखते हुए अमरनाथ यात्रा को स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिन भी ऐसा ही मौसम बना रह सकता है। पहाड़ी राज्यों में इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।राजस्थान में शनिवार से हो रही तेज वर्षा के कारण प्रदेश के कई जिलों में हालात बिगड़ने लगे हैं। वहीं, वर्षा के चलते हुए हादसों में रविवार को 14 लोगों की मौत हो गई, जिनमें भरतपुर में बाणगंगा नदी में नहाने के दौरान डूबे सात युवक भी शामिल हैं। इनमें से तीन चचेरे भाई थे। बारिश से कई मार्ग अवरूद्ध हो गए। वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जिला कलेक्टरों को राहत व बचाव कार्यों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया है। बाढ़ के हालात को देखते हुए स्कूलों में

सोमवार को अवकाश घोषित कर दिया गया। सवाई माधोपुर जिले में कई छोटी-बड़ी नदियां उफान पर है। 20 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट गया है।हिमाचल के शिमला में बादल फटने से सेब के 800 पौधे बह गए जबकि गोदाम में रखीं सेब की 200 पेटियां भी पानी अपने साथ बहाकर ले गया।

इसके अलावा कांगड़ा जिले में रानीताल के पास निर्माणाधीन मटौर-शिमला फोरलेन का लगभग 100 मीटर हिस्सा धंस गया। फोरलेन का मलबा नीचे पठानकोट-जोगेंद्रनगर रेललाइन पर गिरने से रेल लाइन को भी नुकसान पहुंचा है। मंडी के नौ मील में कीरतपुर-मनाली फोरलेन व सिरमौर में पांवटा साहिब-शिलाई-गुम्मा राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन के कारण बंद रहे। प्रदेश में 137 सड़कें बाधित हैं। बाथू में दो बच्चे बह गए, जिसमें एक बच्ची के शव को बरामद किया गया जबकि दूसरे की तलाश जारी है।उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर भीमबली के पास मार्ग के दूसरी तरफ भारी भूस्खलन होने से मंदाकिनी नदी पर झील बन गई है। इससे नदी का प्रवाह रुक गया है। झील के टूटने पर बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए गौरीकुंड से लेकर रुद्रप्रयाग तक लोगों को सचेत कर दिया है। चमोली में शनिवार रात बादल फटने से दो आवासीय भवन और एक गोशाला क्षतिग्रस्त हो गई। टिहरी में अंथवाल गांव के ऊपर करीब 40 मीटर लंबी दरार पड़ गई है। इसे देखते हुए आठ परिवार घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

मेरी मां ने कोई बयान नहीं दिया, अब शेख हसीना के बेटे ने अखबार की रिपोर्ट को बताया झूठा

नई दिल्ली 12 अगस्त। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ने से पहले या बाद में कोई बयान नहीं दिया है। उनके बेटे साजिब वाजेद जॉय ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक अखबार में प्रकाशित मेरी मां के इस्तीफे का बयान पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत है। मैंने अभी उनसे पुष्टि की है कि उन्होंने ढाका छोड़ने से पहले या बाद में कोई बयान नहीं दिया है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के पीछे अमेरिका का हाथ था। अमेरिका की वजह से ही शेख हसीना को अपनी सरकार गंवानी पड़ी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के विरोध में विश्व भर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। रविवार को अमेरिका के राष्ट्रपति के कार्यालय-आवास व्हाइट हाउस के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्रित होकर हिंदुओं पर हमले पर विरोध जताया और मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप की मांग की। प्रदर्शनकारी हिंदुओं की संपत्तियों और मंदिरों पर हमले के दोषियों को गिरफ्तार किए जाने की भी मांग कर रहे थे। इनमें से बहुत से लोगों ने वी वांट जस्टिस के नारे वाले पोस्टर हाथों में ले रखे थे। इसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन वाशिंगटन के अन्य इलाकों, मेरीलैंड, वर्जीनिया और न्यूयार्क में भी होने की सूचना है। शनिवार को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय के बाहर हिंदुओं पर हमले के विरोध में प्रदर्शन हुआ था। रविवार को लंदन में ब्रिटिश संसद के बाहर हिंदुओं पर हमले के विरोध में प्रदर्शन हुआ है। यहां पर बांग्लादेश में हिंदुओं और मंदिरों पर हमलों की कड़ी निंदा की गई और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।हमलों के विरोध में ब्रिटेन में शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन हुए थे।

गाजियाबाद के शोरूम से तीन करोड़ की ब्रांडेड घड़ियां चोरी, दो पुलिस चौकी के बीच में चोरों ने तोड़ा शटर

गाजियाबाद, 12 अगस्त [एजेंसी]।

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र में सीआईएसएफ रोड पर दो पुलिस चौकी के बीच में एक घड़ी शोरूम का शटर उठाकर चोर अंदर घुस गए। करीब आधे घंटे में तीन करोड़ की घड़ियां चोरी कर फरार हो गए। आठ से 10 युवकों ने चोरी को अंजाम दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। सुबह शोरूम संचालक के बेटे ने मोबाइल पर देखा तो चोरी का पता चला। उनकी शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।नोएडा सेक्टर-19 के श्याम सुंदर गुप्ता का इंदिरापुरम के सीआईएसएफ रोड पर साईं क्रिएशन के नाम से ब्रांडेड घड़ियों का शोरूम है। रोज की तरह वह शनिवार रात को बंद कर घर चले गए। रविवार सुबह करीब 11 बजे उनके बेटे ने मोबाइल पर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखी तो पता चला कि शोकेश में और काउंटर में रखी महंगी घड़ियां गायब हैं। मुख्य शटर उठा हुआ था।उन्होंने शोरूम के प्रबंधक को जानकारी दी और कहा कि किसी भी सामान को हाथ न लगाएं। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी और खुद शोरूम पर पहुंच गए।

सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह, इंदिरापुरम कोतवाली प्रभारी जितेंद्र दीखित पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच पड़ताल शुरू की।श्याम सुंदर ने बताया कि चोरों ने सभी महंगी घड़ियों को ही चोरी किया। पांच बैग में भरकर अपने साथ ले गए। एक बैग, ब्रैसलेट और एक गले की माला अंदर ही गिर गई। पुलिस ने सभी को कब्जे में ले लिया है। उनकी शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि चोरी हुई घड़ियों की कीमत करीब ढाई से तीन करोड़ रुपये के बीच है।पीड़ित श्याम सुंदर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए मौके पर बुलाया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। जिसमें दिख रहा है कि करीब 10 युवक शटर के पास आकर लाइन से बैठ गए हैं। सभी सफेद कपड़े में पहने हैं। एक चादर लटका लेते हैं। उसके बाद शटर को बाहर की ओर खींचते हैं।सुबह 3.41 मिनट पर दो चोर शटर खींचने के बाद जगह बनाकर अंदर घुए गए हैं। अंदर घुसे चोरों ने चेहर पर मास्क लगाया हुआ था। एक ने टोपी भी लगाई हुई थी। दोनों आराम से महंगी घड़ियों को अपने साथ लाए हुए बैग में रख रहे हैं। 4.23 बजे बाहर बैठे उनके साथियों ने शटर बजाया तो दोनों बाहर निकल गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि चोरों की उम्र करीब 25 वर्ष के आसपास है। वह सभी घटना को अंजाम देने के लिए पैदल ही आए थे। शोरूम के बाहर एक कार करीब तीन मिनट तक खड़ी हुई थी। इसके बाद वह कार चली गई। तब आरोपितों ने शटर उठाकर चोरी को अंजाम देना शुरू किया है। पुलिस ने घटना स्थल से पहले और सीआईएसएफ कट तक रविवार शाम को करीब 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है।

विकास के लिए सांस्कृतिक सोच जरूरी

भारतवर्ष का इतिहास और संस्कृति हमारे उच्च मूल्यों और आदर्श का भंडार रही है जिसकी कहानी ऐतिहासिक पन्नों में और बुजुर्गों के स्मृति पटल से किस्सा- गोई के रूप मे कहानियो के रुप मे ढलकर बच्चों की सांस्कृतिक विरासत सौंपने की शिक्षा और मनोरंजन का माध्यम रही है लेकिन समय के बदलाव ने हमें अपने विकास के लिए यूरोपियन संस्कृति का पिछलग्गू बना दिया है. यूरोपियन संस्कृति के हर पक्ष को विकास का पैमाना मान लेना उचित नहीं है. देश के विकास के आंकड़े तय करते समय हमें इस पर एक बार चिंतन जरूर करना होगा. जब हम बुजुर्गों की बात करते हैं तब सहसा संयुक्त परिवार का टूटना हमारी चिंता में शामिल होती है जो इस देश की सांस्कृतिक विरासत का एक सशक्त पहलू रहा है. जो हमारे बीच से धीरे-धीरे गुम होता जा रहा है. परिवार की परिभाषा भी समय के अनुसार बदली है जिसमें पति-पत्नी और बच्चों की गिनती तो शामिल है किंतु दादा दादी का नाम धीरे-धीरे विलुप्त होता जा रहा है चाचा- चाची जैसे शब्द अब समाप्त हो चुके हैं भारतीय संस्कृति के पन्नों से विलुप्त होते हुए इस विलोपन पर हमें चिंता करनी होगी और पूनर्मूल्यांकन करना होगा. जब संयुक्त परिवार ही नहीं रहेंगे तब अंग्रेजों की तरह हमारे आत्मिक संबंधों की परिभाषा में गढ़े गए शब्दों के अर्थ अंग्रेजी की तरह ही धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे जिसमें दादा दादी और नाना नानी मौसा मौसी जैसे शब्द शामिल है अंग्रेजी में चाचा और मामा के लिए एक ही शब्द अंकल का प्रयोग होता है जबकि परिवार में चाचा का नाम एक दायित्व का बोध कराता है वहीं मामा हमारे घर के आंगन में एक विशिष्ट अतिथि का दर्जा प्राप्त करते हैं मामा का आगमन बच्चों के लिए खुशियों की नई पहचान का दिन होता है अपनी सामर्थ्य के अनुसार उनके द्वारा लाए गए तोहफे बच्चे जीवन भर याद रखते हैं उनके स्नेह और प्रेम से भरे इस समर्पण के इन उपहारों का कोई मूल्य नहीं रखा जा सकता है, इसे केवल महसूस किया जा सकता है. मुझे आज 70 वर्ष की उम्र में भी अपने मामा द्वारा मिट्टी के मटके में लाए गए नए चावल के आटे से बने गुड़ की पाग से बने रसगुल्ले की सोच आज भी जीभ का स्वाद बदल देती है. पैकिंग की दुनिया से दूर ग्रामीण परिवेश मेंअपने खेती में बना घरेलू चूड़ा और बाजरे की लाई अब केवल कहानियों के अंश बनकर शेष रह गए हैं. इसी तरह दादा- दादी की स्मृतियों में बसी कहानियों के पात्र देश राज्य की सीमाओं से बाहर जाकर उन योद्धाओं की गाथाओं से सराबोर होती थी जो एक न्यायिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लड़ते थे. और विजय प्राप्त करते थे. राजा रानी की कहानी केवल राजसी ठाट-बाट के वर्णन का सिलसिला नहीं होता था बल्कि उन कहानियों में भी धर्म और न्याय के विरोधियों का नाश और अच्छाई तथा न्याय को पाने के संघर्ष का वर्णन होता था. पुराने हाट- बाजार में किस्सा रानी गुल बकावली का जैसी 10 पन्नों की पुस्तकों में भी यह दादा-दादी की कहानी कभी-कभी पढ़ने को मिल जाया करती थी

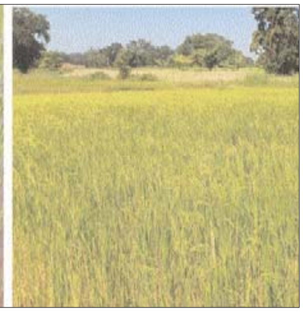

लेकिन आज दूरदर्शन एवं टेलीविजन संस्कृति ने इस पर ग्रहण लगा दिया है जो कभी उन्मोचन के बाद आ सकेगी इसकी उम्मीद भी अब कम दिखाई देती है.

इन्हीं कहानियों में भारत के गौरवपूर्ण इतिहास के कई पन्ने समाहित है हमारे देश में हमारी सात्विक एवं शुद्ध खेती की परंपरा रही है. सुगंधित चावल देने वाले धान की बालियाँ जब खेतों में फूलती थी तब एक मील दूर से लोगों को पता चल जाता था कि विष्णु भोग या श्रीकँवल धान की फसल अब फूलने लगी है. अब इस तरह की खेती कहां चली गई पता नहीं. हम इसके बीज संरक्षण की ओर भी ध्यान नहीं दे पा रहे हैं. हाइब्रिड (वर्णसंकर) बीजों ने अब मूल बीजों को समाप्ति के कगार पर खड़ा कर दिया है अब कृषि विकास केन्दो या शासकीय कृषि बीज भंडार कार्यालय में भी यह बीज उपलब्ध नहीं है. हम इस दिशा मे क्यों नहीं सोच रहे हैं क्या इसकी आवश्यकता नहीं रही. हमारी सांस्कृतिक धरोहर का यह हिस्सा अब धीरे-धीरे खेतों से समाप्त हो रहा है इसकी ओर कोई सामाजिक या शासकीय संस्थान ध्यान क्यों नहीं दे रहे है. आर्थिक लाभ और अधिक उत्पादन की सोच ने हमारे इस बीच को रसोई से बाहर कर दिया है और पौष्टिक एवं सुगंधित अनाज की चाहत हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से समाप्त हो रही है. क्षेत्र विशेष के अन्य पैदावार की अपनी पहचान अब बीते दिनों की बातें हो गई है इसी तरह मोटे अनाज साँवा, कोदो , कुटकी, मेंझरी, भी हमारी खेती से अब समाप्त हो गई है. बढ़ती अस्वस्थता, मोटापा एवं शारीरिक रोंगों द्वारा काफी कुछ नष्ट हो जाने के बाद अब इस दिशा में सोच शुरू हुई है और इसके उत्पादन की ओर अब किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है. यह शुरुआत देर से सही पर अच्छी शुरुआत कहीं जा सकती है. हमारे देश में खेती करने वाले को ऐतिहासिक पन्नो में प्रथम दर्जे का स्थान दिया गया था उत्तम खेती मध्यम बान, अधम् नौकरी भूख निदान की कहावत आज परिवर्तित हो गई है आज के यूरोपीय भौतिकवादी युग में हम जीवन की मानसिक शांति, स्वस्थ्य मस्तिष्क, के साथ साथ सामाजिक संबंधों की चेतना एवं शरीर के लिए आवश्यक उत्तम भोजन के हर पक्ष को भौतिक मुद्रा में तौल रहे हैं.

बदलते समय में मुद्रा से संपन्न व्यक्ति सामाजिक जीवन का हर पक्ष खरीदने का दावा करता है यह अलग पक्ष है कि वह अपनी सामाजिक जीवन एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से स्वयं कितना सक्षम है इस दिशा में उसका ध्यान नहीं जाता. उत्तम खेती का किसान आज हासिये पर आ चुका है. जीवन का आधार हवा पानी एवं भोजन की मुख्य इकाई भोजन को इस देश की सांस्कृतिक दर्शन में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है. अपने भोजन की थाली में से प्रथम भोग अन्न देवता को उसके बाद देवी देवताओं को प्रसाद का भोग लगाकर धन्यवाद देने की परंपरा इस देश में रही है. प्रार्थना दान आतिथ्य भोजन जैसे ऊंचे आदर्शों की हमारी रसोई का अपने घरों से समाप्त हो जाना या सिमट कर होटलों पर निर्भर हो जाना आज बहुत बड़ी चिंता का विषय है. जो हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ हमारी सामाजिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को समाप्त कर रहा है. यह आज की बहुत बड़ी चिंता का विषय है सच मानिए यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा नहीं है घर जैसा खाना , मां की रसोई, चटकारे का स्वाद , जैसे स्लोगन होटल की बिक्री बढ़ाने के लिए उपयोगी हो सकते हैं लेकिन घर की रसोई का स्थान कोई नहीं ले सकता.भारत की इसी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा रहा है रसोई में बने भोजन हेतु बैठने से पहले अतिथि सत्कार की परंपरा या किसी याचक को भोजन कराने की परंपरा. कहते हैं काशी (रामनगर) जिसे बनारस भी कहा जाता है यह भारत की आध्यात्मिक कर्मकांड के सांस्कृतिक धरोहरों का केंद्र रहा है. हिंदू संस्कृति की कर्मकांड की शिक्षा आज भी बनारस में ही दी जाती है. आध्यात्मिक पूजा पाठ एवं आपके घरों में शादी- विवाह ,ग्रह शांति, उत्सव , संस्कार एवं शुभ अवसरों के पूजा पाठ करते हुए जो ब्राह्मण दिखाई पड़ते हैं वह अपनी शिक्षा इसी बनारस के सांस्कृतिक केंद्र से प्राप्त कर शास्त्री जी कहलाते हैं.

इस सांस्कृतिक केंद्र काशी के राजा महाराजा विभूति नारायण सिंह के बारे में कहा जाता है कि वह भोजन हेतु बैठने से पूर्व किसी अतिथि या याचक को भोजन कराने के बाद ही स्वयं भोजन ग्रहण करते थे. उनके इस पारंपरिक व्यवहार से स्वतंत्र भारत के प्रथम तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल परिचित थे. भारत गणराज्य में बनारस अर्थात काशी रियासत को मिलाने के लिए महाराज के भोजन के पूर्व याचक बनकर गृहमंत्री उनके महल में पहुंचे और काशी महाराजा विभूति नारायण सिंह को संदेश भिजवाया कि आपसे कुछ मांगने की इच्छा लेकर कोई याचक आपके पास आया है. भोजन से पूर्व पहुंचने वाले इस याचक से मिलने जब महाराज बाहर निकले तब सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने उन्हें अपनी रियासत को भारत गणराज्य मे शामिल करने का निवेदन किया और काशी नरेश ने इस याचक की याचना को सहज ही स्वीकार कर लिया उन्होंने माननीय सरदार वल्लभभाई पटेल को कहा कि आप मेरे भोजन से पूर्व याचक बनकर आए हैं मैं आपको खाली हाथ वापस कैसे भेज सकता हूं.और उन्होंने अपने संकल्प के अनुसार 15 अक्टूबर 1948 को भारत गणराज्य में अपनी रियासत काशी अर्थात बनारस को विलीन करने के लिए संधि पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए, ऐसी उच्च विरासत एवं उच्च परंपराओं का यह देश रहा है. जिससे अभिभूत इस देश का बच्चा-बच्चा आज भी अपने देश और सांस्कृतिक विरासत को नमन करता है.

सैटिन आउटफिट पहन भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमना

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सैटिन ब्लू कलर का सिंपल गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए तारीफ करते नहीं थकते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है।

नेहा मलिक ने अपने आउटलुक कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन किया है और साथ ही लाइट मेकअप कर के अपने लुक को निखारा है।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल फैंस फॉलो करते हैं। नेहा मलिक के कई लुक ऐसे होते है जोकि लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान जरूर करें ये एक्सरसाइज डिलीवरी में नहीं होगी कोई परेशानी

आजकल के खराब लाइफस्टाइल और खानपान के कारण नॉर्मल डिलीवर का रेट गिरता जा रहा है. नॉर्मल डिलीवरी में महिला जल्दी रिकवर हो जाती है. और शरीर में कम परेशानी होती है. नॉर्मल डिलीवरी हेल्थ के लिए सही रहती है. इसलिए शरीर को नॉर्मल डिलीवरी के लिए तैयार रखना चाहिए. इसके लिए आपको हम इस आर्टिकल में प्रेग्नेंसी के दौरान एक्सरसाइज करने के फायदे बताएंगे.

नॉर्मल डिलीवरी के लिए शरीर को करना पड़ता है तैयार

हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताएंगे कि प्रेग्नेंसी के दौरान एक्सरसाइज कब करना चाहिए? कितने घंटे एक्सरसाइज करना चाहिए. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि प्रेग्नेंसी के तीसरे महिने में भी आप आराम से एक्सरसाइज कर सकते हैं. इसके अलावा आप 7 महीने की शुरुआत में भी एक्सरसाइज कर सकते हैं. महीने की शुरुआत से लेकर डिलीवरी तक गिना जाता है. नॉर्मल डिलीवरी से पहले आपको अपने शरीर को तैयार करना होगा. इसके लिए एक्सरसाइज बेहद जरूरी है. कई मामलों में प्रेग्नेंसी के दौरान एक्सरसाइज करना काफी ज्यादा रिस्क रहता है. प्रेग्नेंसी के दौरान जब भी एक्सरसाइज करें तो अकेले नहीं करें डॉक्टर की सलाह पर ही करें. क्योंकि काफी ज्यादा रिस्क बढ़ जाता है. स्कवाट- यह नॉर्मल डिलीवरी में काफी ज्यादा अच्छा होता है. यह एक्सरसाइज करने से पेल्विक मसल्स फ्लेक्सिबल होती है. जिससे नॉर्मल डिलीवरी हो जाती है. यह एक्सरसाइज करने के लिए आप दीवार का सहारा भी ले सकते हैं. हाथों को सीधा रखते हुए पैरों को खोलकर खड़े हो जाए. कूल्हे के बल हवा में बैठने का प्रयास करें. इसे 10 मिनट तक रोजाना करें. कीगल- कीगल एक्सरसाइज नॉर्मल डिलीवरी के लिए बेस्ट एक्सरसाइज है. इससे पेल्विक मसल्स फ्लेक्सिबल होता है. प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले तनाव को भी कम करता है. इसमें आरामदायक स्थिति में बैठे और आंखें बंद कर लें. यूरिन का प्रेशर बनाकर थोड़ी देर रखें. इसमें 3-5 सेकंड रहने की कोशिश करें. बटरफ्लाई- बटरफ्लाई तितली आसन को कहते हैं. इससे भी पेल्विक मसल्स मजबूत रहता है. जो नॉर्मल डिलीवरी के लिए अच्छा होता है. इसके लिए सबसे पहले फर्श बैठ जाएं और दोनों पैरों के पंजों से जोड़ लें. इस आसन को आप 10 मिनट तक कर सकते हैं. योग और मेडिटेशन- योग और मेडिटेशन के कारण लोग मानसिक तौर पर मजबूत बनते हैं. यह दिमाग को रिलैक्स करने का काम करती है. इससे स्ट्रेस भी कम होता है. इससे पीठ का दर्द और एंग्जायटी ठीक होती है. वॉकिंग- जो महिलाएं अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे महीने में है उन्हें आधे घंटे जरूर वॉक करना चाहिए. इससे उनकी मसल्स मजबूत होती है. कई मामलों में डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए. क्योंकि हाई रिस्क में एक्सरसाइज नहीं करना चाहिए. क्योंकि यह खतरनाक साबित हो सकता है.

खेल खेल में का नया गाना डू यू नो हुआ आउट, दिलजीत दोसांझ के पार्टी ट्रैक पर जश्न मनाते नजर आए सितारें

खेल खेल में स्वतंत्रता दिवस 2024 पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अक्षय कुमार और तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान , एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल सहित बाकी स्टार कास्ट हंसी और रहस्यों से भरपूर सवारी का वादा करते हैं। अब इसी बीच फिल्म का एक नया गाना अब रिलीज़ हो गया है। डू यू नो दिलजीत दोसांझ के ओरिजिनल वर्जन का रीक्रिएशन है और इसमें दोस्तों के समूह को अपनी 'यारी' मनाते हुए दिखाया गया है।

आपको बता दें कि निर्माताओं ने आगामी फिल्म 'खेल खेल में' के एल्बम से एक नया गाना रिलीज़ किया। डू यू नो एक पार्टी ट्रैक है, जिसे दिलजीत दोसांझ ने गाया है और इसके बोल जानी ने लिखे हैं। मूल संगीत बी प्राक द्वारा रचित था और तनिष्क बागची द्वारा फिर से बनाया गया था। इसकी आकर्षक धुनें आपको अपने दोस्तों के साथ थिरकने पर मजबूर कर देंगी।

इस जोशीले ट्रैक में अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, फरदीन खान, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल जैसे कलाकार एक क्लब में एक साथ पार्टी करते हुए दिखाई देते हैं। अक्षय के डांस मूव्स हाइलाइट हैं, जबकि वाणी और तापसी के साथ उनकी केमिस्ट्री ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसे यारों वाली फिल्म का यारी वाला एंथम कहा गया है।

शब्द सामर्थ्य -146

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजना 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 145 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	रां
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

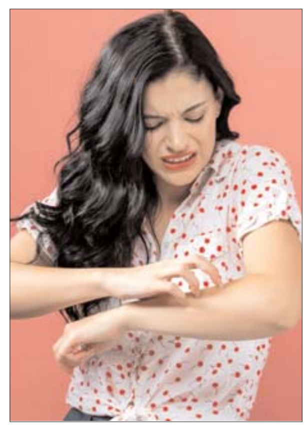

बरसात के मौसम में होती है एलर्जी, तो ऐसे करें बचाव

भारत के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है. इस दौरान गर्मी से राहत तो मिल गई है. लेकिन इसमें भी कोई शक नहीं है बारिश अपने साथ कई सारी बीमारियां भी लाती है. बारिश के कारण सीजनल एलर्जी भी शुरू भी शुरू हो जाती है. बरसात के दिनों में छींक आना, आंखों में खुजली और कंजेशन की परेशानी होती है.

बरसात में होने वाली एलर्जी- कुछ लोगों में यह समस्या बेहद आम हो सकती है. कुछ लोगों में यह समस्या गंभीर हो सकती है और रोजमर्रा के काम में रुकावट हो सकती है. बरसात के मौसम में एलर्जी किसी को भी हो सकती है. इसके लिए आपको अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए. सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट का खास ख्याल रखें. डाइट में ओमेगा 3 शामिल करें- किसी भी तरह के इंफेक्शन और एलर्जी से बचना है तो आपको अपने डाइट में ओमेगा-3 फैटी एसिड को डालना होगा. इससे इम्युनिटी मजबूत होती है. यह आपके इम्यून फंक्शन को मजबूत करता है. यह एलर्जी और इंफेक्शन से रोकने में भी मदद करती है. डाइट में सैल्मन, चिया सीड्स और अलसी और अखरोट होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स- बरसात के मौसम में इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए एंटीऑक्सीडेंट्स लेना काफी अच्छा होता है. विटामिन सी एक अच्छा एंटाऑक्सीडेंट्स होता है. जो एलर्जी के खिलाफ लड़ता है. इसलिए मानसून में संतरा, शिमला मिर्च, ब्रोकली, कीवी और स्ट्रॉबेरी को डाइट में शामिल करें. प्रोबायोटिक्स- प्रोबायोटिक्स भी एलर्जी से बचाने में मदद करती है. दही और किमची जैसे फर्मेंटेड फूड्स प्रोबायोटिक्स एलर्जी में मदद करते हैं. इन्हें डाइट में शामिल करना चाहिए. एलर्जी से बचने में मदद करता है. मैग्नीशियम से भरपूर फूड आइटम खाएं-एलर्जी से बचने के लिए असेंशियल मिनरल्स काफी अच्छा होता है. मैग्नीशियम से भरपूर बादाम, कद्दू के बीज, पालक, डार्क चॉकलेट और एवाकैडो एंटीऑक्सीडेंट्स प्रोडक्शन का समर्थन करते हैं. इम्यून सेल्स फंक्शन को ठीक करता है. एंटी-इंफ्लेमेशन

एंटी-इंफ्लेमेशन फूड आइटम्स से भरपूर फूड आइटम हल्दी, अदरक, हरी पत्तेदार सब्जियां, बेरीज और जैतून का तेल पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं. यह एलर्जी से दूर रखने में मदद करते हैं. इसलिए डाइट में हेल्दी गट माइक्रोबायोम होता है. यह इम्युनिटी को मजबूत रखने का काम करती है.

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी उलझ, 8 दिनों की कमाई देख मेकर्स की उड़ी नींद

राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में अपनी एक्टिंग से दिल जीतने के बाद, जाह्नवी कपूर ने 'उलझ' के साथ बड़े पर्दे पर कमबैक किया था. सुधांशु सरिया निर्देशित उलझ से काफी उम्मीदें थी लेकिन ये स्पाई थ्रिलर रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर फुस्स हो गई. फिल्म को रिलीज के पहले दिन से सिनेमाघरों में दर्शक नहीं मिल रहे हैं इसी के साथ ये बॉक्स ऑफिस पर कमाई नहीं कर पा रही है. फिल्म रिलीज के 8 दिन बाद भी 10 करोड़ नहीं कमा पाई है. चलिए यहां जानते हैं 'उलझ' ने रिलीज के 8वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट रिलीज 'उलझ' 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सीएचसी रामगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति डीएम त्रिपाठी ने देखी

कोरिया बैकुंठपुर। जिले के दूरस्थ व सोनहत विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामगढ़ पहुँच कर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने व्यवस्था का जायजा ली। श्रीमती त्रिपाठी ने स्वास्थ्य केंद्र के महिला-पुरूष वार्ड, दवाई वितरण केंद्र, लैब कक्ष पहुँच कर साफ-सफाई आदि की जानकारी प्राप्त की। श्रीमती त्रिपाठी ने मरीजो से बातचीत कर अस्पताल में हो रहे उपचार व दी जा रही सुविधाओं के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। अस्पताल पहुंची गर्भवती माताओं से पूछा कि उन्हें आंगनवाड़ी केंद्रों में पूरक पोषण समय पर व नियमित मिल रहा है कि नहीं, महिलाओं ने कलेक्टर को जानकारी दी कि उन्हें पूरक पोषण आहार मिल रहा है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने स्वाथ्य केंद्र में साफ-सफाई व माकूल व्यवस्था होने पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने डॉ. रजनीश शुक्ला एवं होमोपैथिक सुषमा भगत को मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने

तहसील कार्यालय, रामगढ़ का निरीक्षण किए। तहसीलदार से तहसील कोर्ट में लंबित प्रकरणों की जानकारी ली तथा समय- सीमा के भीतर प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार को क्षेत्र का नियमित भ्रमण कर स्कूल, स्वास्थ्य एवं आंगनबाड़ी केंद्र का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कन्या आश्रम, रामगढ़ पहुंचकर छात्राओं से मुलाकात की। उन्होंने बच्चो को दिए जाने वाले भोजन व नास्ता के गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षिका को प्रतिदिन मेनू के अनुरूप नाश्ता एवं भोजन देने के निर्देश दिए। इस दौरान बच्चो ने 19 एवं 25 का पहाड़ा सुनाया तो चंदा एवं गीता ने कविता सुनाया। बच्चो की एक्टिविटी देखकर कलेक्टर ने खुशी जाहिर की। छात्रावास अधीक्षिका से बच्चो को अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे व्यवहार करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने छात्राओं से कहा कि खूब मन लगाकर पढ़ाई करें। कक्षा दसवीं में टॉप आने पर पुरस्कार व सम्मान किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने ग्राम सिंघोर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लाभार्थियों श्री सत्तर लाल, श्री भगवान सिंह एवं श्री रामसिंह के निर्माणधीन आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों एवं पंचायत सचिव को सितंबर तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

त्यौहारी सीजन में अमानक मिठाई की आशंका पर लिए गए सेम्पल

रायपुर की प्रयोगशाला में होगी जांच

कोरिया बैकुंठपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने रक्षाबंधन सहित अन्य त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए समस्त दुग्ध एवं मिठाई दुकानों की सतत और सघन निरीक्षण के साथ मिलावटी दूध, दुग्ध उत्पाद एवं मिठाई विक्रेताओं पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने बताया है कि त्योहार के सीजन में नकली खोवा तथा गुणवत्ताहीन मिठाई की बिक्री की संभावना बढ़ जाती हैं। सीमावर्ती राज्यो से मिलावटी दूध, खोवा, मावा एवं कुंदा खाद्य की आपूर्ति होती हैं। जिससे लोग से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता हैं। वरिष्ठ खाद्य अधिकारी तथा उनके टीम द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी में बैकुंठपुर के जेल रोड बाजारपारा कृष्ण डेयरी से पनीर और फॉरेस्ट कॉलोनी के सामने छिन्दडांड मां शारदा से चमचम का विधिक नमूना जब्त कर परीक्षण और विश्लेषण के लिए नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी रायपुर भेजे गए हैं। रिपोर्ट मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी।

महिला सशक्तिकरण के लिए जिले में एक संस्था कर रही काम

बलरामपुर। उद्योगिनी संस्था द्वारा जिले के 45 गांवो में आजीविका एवं महिला सशक्तिकरण के ऊपर कार्य कर रही है। आजीविका से संबंधित जैसे मुर्गी पालन, बकरी पालन, मचान खेती, वर्मी खाद उत्पादन आदि। संस्था द्वारा एक नई गतिविधि को जोड़ने का प्रयास किया गया है जिसमे किसानों को कम लागत एवं कम मेहनत में अधिक उत्पादन वाले उन्नत किस्म वाले मछली बीज को दिया गया है जिसमे हितग्राही अपने तालाब का सदुपयोग कर सके और अधिक से अधिक लाभ उठा सके। ओरेकल प्रोजेक्ट के अंतर्गत उद्योगिनी संस्था द्वारा पांच गांवो के 50 किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से यह अवगत कराया गया की मछली का प्रबंधन, बीमारी, फीडिंग क्वालिटी आदि का सुधार कैसे किया जा सकता है। इन 50 किसानों कल को उन्नत किस्म वाली मछली प्रजाति जैसे रोहू, कतला, मृगल एवं कमनकार वितरण करके उनका उत्साह बढ़ाया गया। जिसमे परियोजना प्रबंधक इमाम अंसारी, एस. एम. एस. आकांक्षा यादव, फील्ड सुपरवाइजर अतुल कुमार एवं नीलू गुप्ता रहे।

नदी में बहे बुजुर्ग की तलाश जारी

बलरामपुर। विकासखंड के ग्राम तुर्रीडीह मैं शुक्रवार के दोपहर स्कूल के पास चनान नदी पार करने के दौरान 60 वर्षीय बुजुर्ग बहने लगा तो उसने आवाज लगाई परंतु मौके पर बच्चे ही थे जिस कारण कोई दौड़ कर बचाने नहीं जा सका और वह बह गया घटना के बाद कोतवाली थाना बलरामपुर में घूम इंसान दर्ज किया गया था वही एसडीआरएफकी टीम के द्वारा लगातार खोजने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की आज तीसरे दिन भी पता नहीं चल सका है तलाश जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तुर्रीडीह हरखु उम्र 60 वर्ष चनान नदी पार कर दूसरी ओर जाने का प्रयास कर रहा था परंतु नदी में बहाव बहुत तेज था जससे वह बहने लगा और चिल्लाने लगा जिससे वहां पर स्कूल के बच्चों ने देखा परंतु कोई बड़ा मौके पर नहीं होने के कारण उसे बचाने का प्रयास नहीं हो पाया और वह बहते गया। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी प्रमोद रुसिया ने बताया कि घटना पर गुम इंसान दर्ज किया गया है वही एसडीआरएफके टीम के द्वारा खोजने का प्रयास किया गया था वही आज भी खोजने का प्रयास जारी है। पुलिस टीम के द्वारा भी नदी के किनारे लगातार खोज की जा रही है।

सावन उत्सव कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं हुई सम्मिलित

बलरामपुर। बलरामपुर रामानुजगंज नगर के वन वाटिका में भाजपा मंडल अध्यक्ष शर्मिला गुप्ता के नेतृत्व में सावन उत्सव कार्यक्रम का बृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर के वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 15 तक की बड़ी संख्या में महिलाएं सम्मिलित रही। इस दौरान विविध सांस्कृतिक, बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किए गय।वही सामूहिक वनभोज, गीत संगीत का भी आयोजन किया गया। गौरतलब है कि विगत कई वर्षों से शर्मिला गुप्ता के नेतृत्व में सावन उत्सव का कार्यक्रम आयोजित होते आ रहा है वही इस वर्ष सावन उत्सव का बृहद कार्यक्रम आयोजित किया गया आयोजन को लेकर व्यापक स्तर में तैयारी की गई थी।जो कार्यक्रम में देखने को मिला वन वाटिका में बांध के समीप सारी व्यवस्थाएं की गई थी झूला को जहां सजवाया गया था। वही पूरे परिसर की भी सजावट की गई थी। भाजपा मंडल अध्यक्ष शर्मिला गुप्ता ने कहा कि सावन उत्सव कार्यक्रम को लेकर नगर की महिलाओं का बेसब्री से इंतजार रहता है जिसे लेकर इस बार विशेष व्यवस्थाएं की गई थी कार्यक्रम में नगर के वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 15 तक की बड़ी संख्या में महिलाए समल्लित रही। कार्यक्रम दोपहर 1 से प्रारंभ हुआ जो 6 बजे तक चला इस दौरान विविध बौद्धिक, सांस्कृतिक आयोजन हुए जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में महिलाओं का उत्साह देखते बन सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने आयोजन को सफल्ल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।सावन उत्सव के दौरान जहां विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए वहीं सावन सुंदरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें रचना गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सावन सुंदरी का खिताब हासिल किया वहीं अनीता गुप्ता दूसरा एवं रश्मि गुप्ता तृतीय स्थान प्राप्त की सभी को ताज पहनकर गिफ्ट प्रदान किया गया।

चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या आरोपी पति को भेजा जेल

सीतापुर। पत्नी के चरित्र पर शंका से उपजे विवाद में पति ने लकड़ी के टुकड़े से मार कर पत्नी की हत्या कर दी। मामले में आरोपित पति को सीतापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीताराम मांझी निवासी दलदलीपारा वंदना थाना सीतापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका लड़का राजकुमार व लक्ष्मी कुमारी पति पत्नी के रूप से एक साथ रह रहे थे। 10 अगस्त को वह अपने लड़के राजकुमार को खेती किसानी के काम के लिए बुलाने गया था। जब वह लड़के के घर के अंदर पहुंचा तो लक्ष्मी कुमारी मौके पर मृत हालत में खून से लथपथ पड़ी हुई थी। लड़के राजकुमार से पूछताछ करने पर बताया कि पत्नी से लड़ाई झगड़ा होने पर लकड़ी के फराटी से मारकर हत्या कर दी है। मामले में पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने आरोपी राजकुमार मांझी 30 वर्ष को पकड़कर पूछताछ की तो उसने बताया कि मृतिका लक्ष्मी कुमारी से चरित्र शंका की बात पर लड़ाई झगड़ा हो गया था। इसी बीच उसने लकड़ी के फराटी से मृतिका के सिर और पीठ में मारकर हत्या कर दिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक प्रदीप जॉन लकड़ा, सहायक उप निरीक्षक शिवचरण साहू, आरक्षक रुपेश महंत, आलोक गुप्ता, परमीत भगत मनोहर पैकरा, धनकेश्वर यादव शामिल रहे।

ग्रामीण से चार लोगों ने की मारपीट

लखनपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम लटोरी घुमकापारा में रोपाई किए गए धान में पाइप बिछाने से मना करने पर चार लोगों ने ग्रामीण के घर में घुसकर मारपीट कर दी। रामगोपाल यादव पिता देव नाथ यादव उम्र 32 वर्ष ग्राम लटोरी ने लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह अपने खेत में रोपा लगाया हुआ है। आठ अगस्त को चार बजे गांव के ही चंद्रिका यादव उसके रोपाई वाले खेत के ऊपर से पाइप लगा रहा था। रामकृपाल यादव के द्वारा उसे मना किया गया।इस बात से नाराज होकर चंद्रिका यादव अपने साथी हरी प्रसाद यादव, सोनू यादव और मनोज यादव के साथ उसके घर के पास रात आठ बजे पहुंचे और गली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे और दरवाजा पीटने लगे। आवाज सुनकर पत्नी दरवाजा खोली तो सोनू और मनोज यादव के द्वारा राम गोपाल के साथ मारपीट करने लगे जिससे रामगोपाल यादव घायल हो गया।

हर कोई करे राष्ट्र ध्वज का सम्मान

कोरिया बैकुंठपुर। देश में घर-घर तिरंगा अमृत उत्सव मनाया जा रहा हैऔर सभी जिम्मेदार संगठनों के द्वारा हर घर तिरंगा फहराने के लिए वितरण किया जा रहा है।

नगर पालिका परिषद नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने उन तमाम संगठनों से अपील की है कि राष्ट्रीय ध्वज वितरण करते समय राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने के लिए भी उनहे बताएं यह देश के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। भारत के नागरिक 15 अगस्त को जहां भी संभव हो, गर्व से तिरंगे को फहराकर राष्ट्र के प्रति अपना प्रेम तथा सम्मान व्यक्त करते हैं। सायंकाल के समय वही झंडे कचरे के डिब्बे या सीवेज पाइप में पडे दिखाई देते हैं, हम सडकों पर इन झंडों को पडे हुऐ देखते हैं। लोग भूल जाते हैं कि ये तिरंगे का अपमान है। अनेक बार झंडों को कूडे के साथ जला दिया जाता है। प्रत्येक नागरिक को हमारे राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान रखना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने इसे लेकर सभी सम्मानित नागरिकों से निवेदन की है कि जो लोग झण्डा संभालने में सक्षम नहीं हैं उन लोगों के लिए नगर पालिका जिस तरह अनंत चतुर्दशी पर गणेश विर्सजन को लेकर जोन वार, वार्ड वार मूर्ति संग्रहण या कुण्ड बनाए गए थे, उसी तर्ज पर बैकुंठपुर नगरपालिका तिरंगे के सम्मान के मद्देनजर ऐसी स्थिति से बचने के लिए वार्ड वार स्थान चिन्ह अंकित करें । लोग यहां तिरंगे को सम्मान पूर्वक संग्रहणकर जमा करेंगे ।

अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी व माना पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 39 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। गुढ़ियारी पुलिस ने खालबाड़ा पानी टंकी के पास आरोपी भोले हाथी 44 वर्ष को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 19 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 110 रुपए जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने कमल विहार चौक के पास आरोपी दीनदयाल ढीमर 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब जब्त किया है।

अवैध डीजल के साथ युवक पकड़ाया

रायपुर। मंदिरहसौद पुलिस ने टिल्लू नगर के पास अवैध डीजल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 40 लीटर डीजल जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मंदिरहसौद पुलिस ने टिल्लू नगर के पास दबिश देकर आरोपी मनराज सिंह 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 जरीकेन में मौजूद 40 लीटर डीजल जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

धर्मांतरण की गतिविधियों पर नकेल, पास्टर को किया गिरफ्तार

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लडुआ में मत परिवर्तन के लिए प्रलोभन देने वाले पास्टर रंजीत बड़ा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित पास्टर द्वारा मत परिवर्तन पर बच्चों को बेहतर शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य के साथ ही धन संपत्ति की कमी नहीं होने का झांसा दिया जाता था। गांववालों को लगातार वह मत परिवर्तन के लिए प्रेरित करता था।गांव के एक व्यक्ति को उसने इतना प्रभावित किया कि वह व्यक्ति मत परिवर्तन के लिए पत्नी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। महिला की शिकायत और जांच के बाद आरोपित पास्टर को धारा 299 बीएनएस एवं छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम के तहत कार्रवाई कर पास्टर को गिरफ्तार कर लिया।

राजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक भारद्वाज सिंह ने बताया कि लडुआ निवासी मती गोंड नामक महिला ने पास्टर रंजीत बड़ा के विरुद्ध लिखित शिकायत की थी। लडुआ गांव में तीन-चार वर्ष पूर्व से पास्टर रंजीत (मूल निवास झिंगाडाड करजी) इसके गांव में जमीन खरीद कर घर बनाकर रहता है। घर को उसने अस्थाई चर्च बना लिया गया है। पास्टर द्वारा गांव में लगातार ईसाई धर्म का प्रचार किया जा रहा है। गांव के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने पर कोई बीमारी नही होने, धन संपत्ति की कमी नहीं होने तथा बच्चों के स्वस्थ्य रहने का प्रलोभन देकर मत बदलने का दबाव बनाया जा रहा है। गांव के कई लोग उसकी बातों में आ गए हैं। उसके घर पर प्रार्थना करने के लिये हर सप्ताह रविवार को जाते हैं। रंजीत बडा बोलते रहता है कि गांव में चर्च बनाउगां तथा मत बदलने के लिये झूठी बात को गांव में फैलाता है। रंजीत बडा झाड़ फूंक करने के बहाने भी लोगों को अपने घर बुलाता है कभी - कभी रात में मांदर बजाकर चिल्लाता है। जो भी व्यक्ति उसके घर जाता है उसे मत बदलने का प्रलोभन देता है। जिससे गांव के कई परिवार परेशान हैं। जब गांव के लोगों के द्वारा उसको समझाने का प्रयास किया गया तो वह झगड़ा पर उतारू हो जाता है। गांव वालों को वह प्रलोभन देता है कि वह ईसा मसीह का पूजा करता है जिससे उसके घर में किसी की तबीयत खराब नही होती तथा धन रूपये की कमी नहीं होती है। महिला का पति भी पास्टर रंजीत बड़ा के बातों में आकर उसके घर आना - जाना करता है। महिला का कहना है कि उसके पति को आरोपित पास्टर ने अपने प्रभाव में ले लिया है। वह लगातार मत बदलने की बात बोलता है और ऐसा नहीं करने पर परिवार को छोड़ देने की धमकी भी देता है।महिला का कहना था कि पास्टर रंजीत , उसके मत को नीचा दिखाने के आशय से धार्मिक भावनाओं को आहत व अपमानित करता है। और लगातार आहत व अपमानित करते आ रहा है।

जिससे गांव के लोग काफी दु:खी और अपमानित महसूस कर रहे हैं। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपित पास्टर के विरुद्ध अपराध पंजीकृत किया था। अपराध पंजीकृत होने के बाद से पास्टर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम लगी हुई थी। आखिरकार पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी राजपुर निरीक्षक भारद्वाज सिंह, उप निरीक्षक दिनेश राजवाडे, एएसआइ राकेश सिंह, प्रधान आरक्षक श्यामलाल भगत, आरक्षक रिंकु गुप्ता, अमृत सिंह, संतोष सिंह, नरेश तिर्की, सुनील तिर्की सक्रिय रहे।

शासकीय नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर। विवरण इस प्रकार है कि प्रकरण सदर की प्रार्थिया उम्र 33 वर्ष निवासी मनोरा चौकी क्षेत्रांतर्गत की रहने वाली है एवं वर्तमान में तपकरा बाधरकोना जशपुर में किराये के मकान में रहती है। प्रार्थिया अपने भाई का नौकरी लगवाने के लिये अपनी रिश्ते की बहन से पूर्व में बात की थी, तब उसकी बहन बोली कि मेरे पति का दोस्त धरती पुत्र जो कोमड़ो का रहने वाला है, वह रायपुर में किसी बड़े व्यक्ति के पीए का गाड़ी चलता है उसका मंत्रीयों से जान पहचान है पैसा देंगें तो नौकरी लगवा देगा बताई थी। तब प्रार्थिया वर्ष 2022 में धरती पुत्र से अपनी बहन के माध्यम से मिली थी उसे अपने भाई का नौकरी लगवाने का बात की थी तो वह बोला कि जितेन्द्र साहू जो महासमुंद्र बसना का रहने वाला है उसका रायपुर मंत्रालय में मंत्रीयों से जान पहचान है लेकिन पैसा लगेगा कहकर आश्वासन दिया था।

गुल गोटी से जुआ खेलते चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। गोलबाजार पुलिस ने अजय मेटल के सामने दबिश देकर गुल गोटी से जुआ खेलते चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से गुल गोटी और नकदी 1860 रुपए जब्त किया है। गोलबाजार पुलिस ने अजय मेटल के सामने गुल गोटी से जुआ खेलते आरोपी चिंटू यादव 22 वर्ष सहित अन्य तीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से गुल गोटी और नकदी 1860 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

सरेआम शराब पीते 7 पकड़ाए

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सरेआम शराब पीते 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। खमतराई पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाठा में सरेआम शराब पीते आरोपी संजय साहू 39 वर्ष व रामजी वर्मा 39 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

चारा, पानी मिला तो जंगल में ही रुकेंगे हाथी

अंबिकापुर। उत्तर छत्तीसगढ़ हाथियों से सर्वाधिक प्रभावित है। हाथियों को जंगल के भीतर ही रोकने के लिए चारा व पानी का प्रबंध भी समुचित ढंग से नहीं किया जा रहा है। जंगल के रास्ते बिजली आपूर्ति में भी हाथियों की मौजूदगी का ध्यान नहीं रखा गया। वन क्षेत्र में बढ़ता अतिक्रमण भी हाथियों के साथी बनने में बाधक रहा है। हाथियों से होने वाले जान माल के नुकसान को कम करने वर्तमान समय में सारी गतिविधियां बंद हो चुकी है। हाथियों की निगरानी हो रही है लेकिन इससे जानमाल का नुकसान कम नहीं किया जा सकता।

वन कर्मचारियों की निगरानी के दौरान भी हाथियों द्वारा मकानों को क्षतिग्रस्त करने के साथ ही इंसानों की जान भी ली जा रही है। हाथी-मानव द्वंद्व में भी दोनों ओर से नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या के लिए दीर्घकालिक योजनाएं ही कारगर हो सकती हैं। अन्यथा आने वाले दिनों में हाथी -मानव द्वंद पर नियंत्रण और मुश्किल होगा। वर्तमान समय में 350 से अधिक हाथियों का अलग-अलग समूह छत्तीसगढ़ में विचरण कर रहा है।उत्तर छत्तीसगढ़ से निकलकर हाथी आज मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ तक पहुंच चुके हैं। उत्तर छत्तीसगढ़ में तो फसलों की सुरक्षा के लिए खेतों के आसपास जीआई तार का बाड़ा बनाकर उसमें करंट प्रवाहित कर सुनियोजित तरीके से जंगली हाथियों को मारने की घटनाएं भी हुई है।फसलों में कीटनाशकों के अत्यधिक छिड़काव और योजनाबद्ध तरीके से भी खाद्य सामग्री में कीटनाशक मिलाकर देने से

भी हाथियों की मौत हो चुकी है। छत्तीसगढ़ में जंगली हाथियों की मौतों का मुख्य कारण बिजली करंट ही है। पहले के वर्षों में प्रभावित क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से करंट से हाथियों को मारने की घटनाओं को छोड़ दें तो शेष घटनाएं लापरवाही का परिणाम हैं।वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या हाथी विचरण क्षेत्रों में कम ऊंचाई की बिजली लाइन हैं। स्थिति यह है कि जंगली हाथियों के सूड़ ऊपर उठते ही बिजली तार के संपर्क में भी आ रहे है। करंट लगने से तंदुरुस्त हाथी की भी तत्काल मौत हो रही है। जंगली हाथियों के आबादी क्षेत्रों में प्रवेश करने के कारण ही जानमाल का नुकसान होता है। हाथियों को जंगल में रोकने में सफल हुए तो नुकसान कम होगा। अभयारण्य , राष्ट्रीय उद्यान और बड़े क्षेत्रफल वाले वनों में हाथियों के पसंदीदा आहार के रूप में चारा की उपलब्धता। जंगली हाथी विचरण व रहवास क्षेत्र में तालाब,स्टाप डेम व प्राकृतिक जलस्त्रोतों का विकास। हाथी रहवास क्षेत्र के लिए ऐसे वनक्षेत्रों का चिन्हांकन जहां आबादी विरल हो। प्राकृतिक रहवास क्षेत्र से निकलने के बाद हाथियों के विचरण वाले क्षेत्रों में भी चारा की उपलब्धता। छत्तीसगढ़ में हाथियों के व्यवहार के अध्ययन के लिए भारतीय वन्य जीव संस्थान से मिलकर कार्य किया जा चुका है। उसी दौरान हाथियों पर सेटेलाइट रेडियो कालरिंग पर भी काम शुरू हुआ था। दक्षिण अफ्रीका से रेडियो कालर मंगाए गए थे। कुछ दिनों तक रेडियो कालर से हाथियों की उपस्थिति की जानकारी मिलती थी। बाद में यह गतिविधि भी बंद हो चुकी है। जंगली हाथियों की निगरानी के लिए रेडियो कालर आइडी का उपयोग जरूरी है। प्रभावित किसानों,मकान मालिकों को शत-प्रतिशत समय से मुआवजा राशि तथा जंगली हाथियों के साथ साहचर्य का भाव विकसित करने जनजागरूकता कार्यक्रम से हाथियों से जानमाल की सुरक्षा पर काम किया जा सकता है।

सामने का हिस्सा सुरक्षित, भीतर के ताले टूटे और कई सामान मिले गायब

चांदी की मूर्तियां और नगदी रकम पर हाथ साफ किया

कोरबा। शातिराना अंदाज में हुई चोरी की घटना ने ठेकेदार और उसके परिजनों सहित पुलिस को हैरानी में डाल दिया। उसके निवास से चांदी की कई मूर्तियों एवं नगदी रकम पार की गई है। ठेकेदार को इस घटना में ढाई लाख की चपत लगी। कोतवाली थाना में इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस अलग-अलग स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

अग्रोहा मार्ग निवासी श्याम गोयल ठेकेदारी का काम करता है। 9 अगस्त को अपने परिवार सहित 11 बजे सुबह घर में ताला लगाकर मैनपाट अम्बिकापुर घूमने गया था। सुरक्षा की दृष्टिकोण से ठेकेदार ने घर की जिम्मेदारी किसी को नहीं दी थी। 11 अगस्त को शाम करीब 4 बजे मैनपाट से वापस घर लौटे। घर के सामने के पहला गेट में लगे ताला को अपने पास रखे चाबी से पत्नी खोलकर घर के अंदर गई तो दूसरे सभी कमरे में लगा दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। घर का सामान बिखरा हुआ पड़ा था। घर के ऊपर मंजिल में पूजा घर में रखा एक गणेश भगवान की चांदी का मूर्ति 500 ग्राम कीमती लगभग 50 हजार रूपये, एक लक्ष्मी मां का चांदी का मूर्ति वजन 500 ग्राम करीब किमती लगभग 50 हजार रूपये तथा चांदी का सिक्का जिसमें 10 ग्राम, 20 ग्राम, 100, ग्राम का सिक्का था वजनी करीब 2 किलोग्राम कीमती करीबन 1 लाख रूपये, सोने का छोटा मंगलसूत्र एक नग किमती 3000 रूपये, सोने का छोटा नथ कीमती 500 रूपये तथा ड्रेसिंग रूम में रखा 10000 रूपये नगद व एक जोड़ी स्केचर कंपनी का 9 नंबर का जूता कीमती करीबन 7000 रूपये, घर के विभिन्न हिस्से में लगा तीन नग सीसीटीवी कैमरा डीवीआर सहित कीमती करीब 30000 रूपये कुल कीमती करीब 2 लाख 50 हजार 500 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। घटना के संबंध में पड़ोसी गोविंद अग्रवाल एवं रवि गुप्ता को बताने के साथ रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया गया। अज्ञात चोर के विरुध्द बीएनएस की धारा 305 (ए) व 331 (4) के तहत जुर्म दर्ज कर पतासाजी किया जा रहा है। चोरी की सूचना उपरांत मौके पर सीएसपी भूषण एक्का कोतवाली टीआई मोतीलाल पटेल सहित स्टाफ ने पहुंचकर मुआयना किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को देखा गया जिसमें एक लड़का नजर आ रहा है। फुटेज व अन्य सूचनाओं के आधार पर चोर की तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

माइंस के मुहाने में प्रदर्शन, ड्यूटी करने जा रहे कर्मियों को रोका

यूनियनों के प्रदर्शन के कारण कोयलांचल में इस प्रकार के हालात निर्मित हुए।

विरोध सप्ताह मना रहे ट्रेड यूनियन

कोरबा। उद्योगों में आउट सोर्सिंग सहित कई प्रकार की चुनौतियों को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने विरोध सप्ताह मनाने की घोषणा की। इसमें अलग-अलग आयाम जोड़े गए। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के गेवरा माइंस की मुहाने पर झंडे के साथ यूनियन कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कोल कर्मियों को मौके पर रोकने की जबरिया कोशिश की गई जो अपने लिए ड्यूटी करने खदान जा रहे थे।

श्रमिक संगठनों ने 9 से 14 अगस्त तक केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध करना तय किया है। इसमें कई प्रकार के प्रदर्शन करना शामिल है। सोमवार को एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में श्रमिक संगठन एटक और सीटू के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करने के साथ धरना दिया। प्रथम पाली में ही श्रमिक संगठन के लोग गेवरा माइंस के मुहाने पर पहुंच गए। उन्होंने यहां प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सार्वजनिक उद्योगों का संचालन नियमित कर्मचारियों के भरोसे कराने पर जोर दिया।

लगातार आउट सोर्सिंग को बढ़ावा दिए जाने पर आपत्ति जताई। प्रदर्शन के दौरान ये सभी अपने यूनियन के झंडे व बैनर रखे हुए थे। प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने अपनी शक्ति का एहसास कराने की चेष्टा की। इस मौके पर घोषणा की गई कि किसी भी तरह से सार्वजनिक उद्योगों में प्राइवेटाइशन को लेकर जो कुछ काम किए जा रहे हैं वे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और इस तरफ लगातार विरोध होगा।

समान काम के लिए दें समान वेतन

प्रदर्शन के अंतर्गत इस बात को भी कहा गया कि श्रमिक हॉट में जो कामगार निजी कंपनियों में काम कर रहे हैं उन्हें समान वेतनमान और समान सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए ताकि उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके। पहले भी इसे लेकर कंपनी और सरकार का ध्यान आकर्षित करने का काम हुआ है लेकिन नतीजे कुछ नहीं आए।

हादसों की भेंट चढ़ने से बचाएगा रेडियम बेल्ट

कोरबा। विभिन्न मार्गों पर दिन-रात विचरण करने वाले पशुओं के कारण आवागमन में समस्याएं पैदा हो रही है। इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वास्तविक रूप से है तो मालिकों की लेकिन इस काम को सरकारी तंत्र के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को करना पड़ रहा है। सड़कों पर पशुओं की उपस्थिति से संभावित हादसे और उनमें नुकसान को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस ने अभियान शुरू किया है। ट्रैफिक प्रभारी एडिशनल एसपी नेहा वर्मा के नेतृत्व में एसआई गोवर्धन मांझी, मनोज राठौर, ईश्वर लहरे,एम. आर.जांगड़े सहित पूरी टीम कामकाज में जुटी हुई है। खासतौर पर मवेशियों को रेडियम बेल्ट लगाने में रूचि ली जा रही है ताकि वे घटना का शिकार न हो सके। पुलिस ने बताया कि जिन मामलों में पशुपालकों से संबंधित जानकारी मिल रही है उनमें आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है।

ग्रामीणों की मेहनत पर पानी फेर रहे गजराज, आक्रोश

कोरबा। जिले के कोरबा एवं कटघोरा वनमंडल में मौजूद हाथी ग्रामीणों के मेहनत पर लगातार पानी फेर रहे हैं जिससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार कटघोरा वनमंडल के पसान, केंदई, जटगा व एतमानगर रेंज में 48 से अधिक हाथी घूम रहे हैं। हाथी दिन भर जंगल में डेरा डालने के बाद शाम होते ही जंगल से निकलते हैं और ग्रामीणों के खेतों में पहुंचकर वहां लगे फसलों को पैरों से रौंदकर क्षतिग्रस्त कर दे रहे हैं जिससे ग्रामीणों की मेहनत पर पानी फिर जा रहा है। इसी प्रकार कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में 11 की संख्या में हाथी सक्रिय है। हाथियों के इस दल ने बीती रात कुदमुरा गांव के खेतों में पहुंच गया और वहां लगे ग्रामीणों के धान की फसल को रौंदकर मटियामेट कर दिया। पीड़ित ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला आज सुबह मौके पर पहुंचा और हाथियों द्वारा रात में किए गए नुकसानी का आंकलन शुरू कर दिया है। हाथियों द्वारा लगातार फसल रौंदे जाने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दिया है कि यदि वन विभाग हाथियों को नियंत्रण करने में विफल रहता है तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सारी जवाबदारी वन विभाग की होगी।

मोरगा में हुई चित्रकला प्रतियोगिता

कोरबा। आज विश्व हाथी दिवस के अवसर पर वन विभाग के द्वारा केंदई रेंज अंतर्गत स्थित मोरगा हाईस्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों ने काफी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रेंजर अभिषेक दुबे ने बताया कि प्रतियोगिता सुबह आयोजित की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकारी कर हाथियों की महत्ता को रेखांकित किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देने के साथ ही पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रतियोगिता को सफल बनाने में वन विभाग के स्टाफ के अलावा स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भूमिका निभाई।

सुधाकर कुलकर्णी को श्रद्धाजंलि

कोरबा। भामसं के राष्ट्रीय नेता सुधाकर कुलकर्णी के निधन की खगर लगते ही भामसं के द्वारा एक आसमिक बुलाई गई। जिसमें राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल , नवरत्न बरेठ, शब्बीर मेमन, अजय मिश्रा, वेकंट राव, केदार राठौर, हेतराम ,खुटे, संदीप राठौर ने श्रद्धाजंलि दी। सभी लोगों ने एक स्वर में कहा कि श्री कुलकर्धी के निधन से आपूर्णिय क्षति हुई है। श्री कुलकर्णी ने संगठन को काफी आगे बढ़ाया है। वें सभी क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहें। उनके किए गए कार्यो को कभी भी भुलाया नही जा सकेगा।

मोरगा के पास एक्सीडेंट, दो घायल

कोरबा। एनएच 130बी पर आज सुबह दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। घटना में दो लोगों के घायल होने की खबर है। स्थानीय पुलिस ने पीड़ितों को सीएचसी भिजवाया है।

नहीं करेंगे नशा, ली गई शपथ

कोरबा। कटघोरा में जनपद पंचायत के अधिकारी और कर्मचारियों ने तय किया है कि वे हर प्रकार के नशे से खुद को दूर रखेंगे और दूसरों को भी इस बारे में प्रेरित करेंगे। आज उन्होंने कार्यालय परिसर में संक्षिप्त कार्यक्रम रखा और इस बारे में शपथ ली।

कर्मियों ने संकल्प के अंदाज में हाथ आगे रख नशामुक्ति से होने वाले सर्वव्यापी नुकसान की बात कही। इससे खुद बचने और दूसरों को सुरक्षित रूप से बचाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि केवल इसी कार्यालय परिसर नहीं बल्कि दूसरे क्षेत्रों तक इस अभियान को पहुंचाएंगे और बड़ी संख्या में सरकारी कर्मियों के अलावा जन सामान्य को नशामुक्ति से बचने के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मीडिया के कुछ लोग भी यहां उपस्थित थे।

लो वोल्टेज : बदला जाएगा ट्रांसफार्मर

कोरबा। एचटीपीपी दर्री कालोनी क्षेत्र के एक मोहल्लें में लोवोल्टेड की समस्या से नागरिक परेशान थे। इसकी शिकायत किए जाने कें बाद भी समस्या का हल नही हो पा रहा था। बिजली कर्मचारी संघ के केदार राठौर ने बताया कि लोगों की परेशानी को देखते हुए एक प्रतिनिधि मंडल ने जाकर अधिकारियों से मुलाकात की उन्होंने आश्वासन दिश कि ट्रासंफार्मर को बदल दिया जाएगा। ताकि यहां के कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो । उमरेली क्षेत्र में भी ट्रासंफार्मर खराब होने के कारण लोग अंधेरे में रहने के लिए मजबूर थे। बस्ती के लोगों में जाकर इसकी शिकायत विद्युत मंडल के अधिकारियों से की। युवा मोर्चा के नवीन देवांगन ने बताया कि आए दिन इस क्षेत्र में बिजली की समस्या बनी रहती है। उमरेली बस्ती के लोगों की शिकायत पर तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगा दिया गया। नागरिकों ने खुशी जाहिर की।

आवश्यकता है

जमनीपाली कोरबा (छ.ग.) में गनमैन एवं सुरक्षा प्रहरी पद पर कार्य करने हेतु भूतपूर्व सैनिकों की आवश्यकता है। वेतन एवं अन्य सुविधाये डीजीआर नियम के अनुसार।

-:संपर्क करें :-

मेसर्स- अरविन्द कुमार सिंह
सिक्यूरिटी एजेंसी

जैन मंदिर परिसर में यूथ हॉस्टल ने लगाए पौधे

कोरबा। एक पेड़ मां के नाम यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की कोरबा इकाई ने रविवार को जैन मंदिर कोरबा में पीएम मिशन के तहत सामूहिक पौधारोपण का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम कोरबा शहर के मध्य में जैन मंदिर परिसर में आयोजित किया गया था, जो एक बंद और कार्यवाहक के साथ संरक्षित परिसर है। कार्यक्रम में लगभग 60 सदस्यों ने भाग लिया। सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष, सचिव सदस्य जेके जैन, एनसी जैन सहित कई लोग परिवार सहित शामिल हुए। पौधारोपण के दौरान यूथ हॉस्टल कोरबा के अध्यक्ष सतीश शुक्ला, मनोज मिश्रा, एवाई तोमर, पीएल मिरेंद्र, शिव कुमारी, शारदा, कल्पना, सुमन, माया रानी, नीलू, राजेश, त्रिभोवन, विशाल जैन, डीबी सुब्बा एवं अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन कोरबा चेयरमैन संदीप सेठ के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में बिलासपुर इकाई के अध्यक्ष भास्कर चौरसिया और शैलेश शुक्ला भी शामिल हुए। नीम, जामुन, अमरुद, सीता फल, बादाम आदि के पौधे लगाए गए। यूथ हॉस्टल ने सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था की।

कार्यक्रम का समापन कोरबा इकाई सचिव शैलेन्द्र नामदेव द्वारा सभी सदस्यों और हमें स्थान प्रदान करने के लिए मंदिर समिति के सदस्यों को धन्यवाद देने के साथ हुआ। अध्यक्ष ने बताया कि यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया इस समाज सेवा को पूरे वर्ष जारी रखेगा।

पाली में तिंरगा यात्रा 14 को

कोरबा। युवा मोर्चा के द्वारा पाली में विधानसभा स्तरीय तिंरगा यात्रा 14 अगस्त को निकाली जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए भाजपा के जिलाउपाध्यक्ष संजय भावनानी ने बताया कि युवा मोर्चा के द्वारा तिंरगा यात्रा की तैयारी की जा रही है। इस कार्य में चिंटू राजपाल विशाल मोटवानी सहित अन्य कार्यकर्ता लगे हुए है। जबकि कटघोरा विधानसभ क्षेत्र का तिंरगा यात्रा समलाई मंदिर दीपका से कल 13 अगस्त को निकाली जाएगी । इसके लिए युवा मोर्चा के समजीत सिंह, किशन केशरवानी, विवेक मारकण्डे, अनुराग दुहलानी, संजय शर्मा, सहित अन्य कार्यकर्ता लगे हुए है। कटघोरा मंडल के महामंत्री अभिषेक गर्ग ने बताया कि तिंरगा यात्रा में सभी पांच मंडलो के कार्यकर्ता शामिल होंगे। सभी मंडल के अध्यक्षों ने अपने अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश जारी कर दिया है। रामपुर विधानसभा क्षेत्र के जिलाउपाध्यक्ष आकाश सक्सेना ने बताया कि रामपुर सरस्वती शिशु मंदिर से निकलने वाले तिंरगा यात्रा की व्यापक तैयारी चल रही है।

दैवेभो कर्मी हड़ताल पर

कोरबा। नियमितिकरण सहित अन्य मांगों को लेकर वन विभाग में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज कोरबा के घंटाघर चौराहा से तिरंगा यात्रा निकाली गई। मंत्री लखनलाल देवांगन, कलेक्टर अजीत वसंत, एसपी सिद्धार्थ तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी और नागरिक इस रैली में शामिल हुए।

जर्जर सड़कें कर रही थीं लोगों को परेशान निगम ने मुख्य मार्ग से हटाई डस्ट

कोरबा। कई कारणों से बर्बादी की भेंट चढ़ी कोरबा शहर की सड़कों पर समस्याएं बढ़ी हुई हैं। कुछ दिनों से वायु प्रदूषण के साथ-साथ निर्मित गड्ढों ने लोगों को परेशान किया है। यह विषय सार्वजनिक होने पर प्रशासन और नगर निगम ने संज्ञान लिया। आज सुबह इन रास्तों पर जमीं और बिखरी डस्ट व बजरी को हटाने का काम किया गया।

लोगों को मुश्किलों से राहत कैसे मिले, इसके लिए अब कोशिश की जा रही है। मीडिया और दूसरे माध्यम से इस तरह की दिक्कतों को अधिकारियों की जानकारियों में लाया गया। सड़कों की बदहाली का मामला बारिश के सीजन में खासतौर पर कोरबा में छाया हुआ है। बारिश में स्तरहीन सड़कें टूटफूट का शिकार हुई। बारिश के थमने और मौसम के आंशिक रूप से खुलने पर यहां से उड़ने वाली डस्ट हर किसी के लिए सिरदर्द बनकर रह गई। दुकानों से लेकर मकानों में इसकी एंट्री होने से लोग परेशान हैं, जबकि आवाजाही करने में धूल का गुबार उड़ने से लोगों के टकराने से लेकर गिरने पड़ने का डर बना हुआ है। चौतरफा हो रही किरकिरी के बाद इस मामले का कुछ समाधान निकालने के लिए गंभीरता दिखाई गई। नगर निगम के कर्मियों ने आउट सोर्सिंग वाले मजदूरों को सफाई के काम पर लगाया। मुख्यमार्ग पीएचरोड बुधवारी, घंटाघर से लेकर क्षेत्र की सड़कों की विशेष सफाई कराने के साथ वहां से उखड़ी हुई बजरी और डस्ट को हटाने की कार्रवाई की गई। माना जा रहा है कि इसके बाद बची हुई क्षतिग्रस्त सड़क को समस्या से दूर रखने के लिए और लोगों को राहत देने के लिए तकनीकी प्रयास हो सकता है।

शंकरखोला में चौथे सावन सोमवार को जलाभिषेक, भोग वितरण

कोरबा। चौथे सावन सोमवार को जिले के शंकरखोला कोरकोमा स्थित गुफा में काफी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति दर्ज हुई। उन्होंने यहां पूजा अर्चना करने के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कई क्षेत्र से श्रद्धालु इस जगह पर पहुंचे थे। इस खास अवसर पर कोरकोमा के सोनी परिवार ने सब्जी-पूड़ी और कई व्यंजनों का वितरण लोगों को किया। अंतिम सोमवार को ग्रामीणों की समिति यह काम

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com